CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-319
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 21 फरवरी 2024

आज का विचार

अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरंत समझ में नहीं आते हैं, उन्हें पढ़ना पड़ता है।-गुलजार

पेज-04

कांग्रेस में मची भगदड़ का शाह ने कारण बताया

बेटों के पद की चाहत से टूटती हैं पार्टियां

नई दिल्ली। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों में मची भगदड़ के कारणों पर पहली बार गृहमंत्री अमित शाहने कहा कि परिवारवाद और बेटों व रिश्तेदारों की महत्वाकांक्षा और जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा ही भगदड़ का कारण है। यही कारण है कि आज कांग्रेस सहित कई दलों के बड़े नेता भाजपा में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे विश्वास कायम कर रहे हैं। दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कई राजनीतिक दलों में 4-4 पीढियां अपनी विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। सोनिया गांधी राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है, वहीं बिहार में लालूप्रसाद यादव तेजस्वी को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। दक्षिणी राज्यों में इस तरह का परिवारवाद हमेशा चलता आया है। इसी परिवारवाद के कारण जमीनी कार्यकर्ता और लगातार पार्टी की सेवा करने वाला नेता अपने को

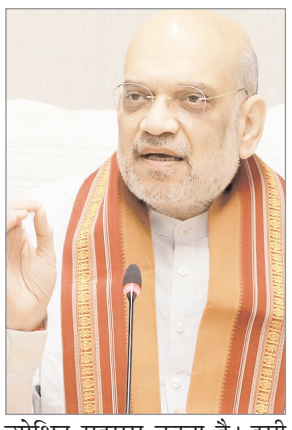

उपेक्षित महसूस करता है। इसी उपेक्षा के कारण कांग्रेस में भगदड़ मची हुई है और ऐसे नेता ही भाजपा में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आस्था व्यक्त कर रहे हैं। भाजपा की नीति शुरू से रही है कि वह अपने जमीनी कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है। यही कारण है कि पार्टी में परिवारवाद बिल्कुल नजर नहीं आता और हम छोटे से छोटे कार्यकर्ता का सम्मान करते हैं और उन्हें ऊंचे पदों पर पहुंचाते हैं।

खजुराहो नृत्य समारोहः राग बसंत की लय पर बना गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

भोपाल । यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में राग बसंत की लय पर 1484 कथक नृत्य साधकों के थिरकते कदमों ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड रच दिया। हाथों में दीपक लेकर जब लय और ताल के साथ घुंघरू साधकों के कदम मिले तब भारतीय संस्कृति और परंपरा एक साथ मुस्कुरा उठीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवके प्राचीन वाद्य यंत्र नगाड़ा की ताल और नृतकों के घुंगुरुओं की झंकार ने 50वें खजुराहों नृत्य समारोह की ऐतिहासिक उपलब्धि को यादगार बना दिया। दरअसल, मंगलवार शाम को खजुराहो में 50वें खजुराहों नृत्य समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह के 50वें वर्ष को खास और यादगार बनाने के लिए कथक कुंभ का आयोजन हुआ जिसमें 1484 कलाकारों द्वारा कथक नृत्य की समवेत प्रस्तुति देकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया गया। सुप्रसिद्ध नृत्य गुरु राजेंद्र गंगानी की कोरियोग्राफी में प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए

नर्तक नृत्यांगनाओं ने 20 मिनट की प्रस्तुति को राग बसंत में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सम्पूर्ण भारत में सांस्कृतिक पुनरुत्थान का पर्व मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में भगवान नटराज महादेव को समर्पित साधना की यह उपलब्धि भारतीय संस्कृति का गौरव बन भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन करेगी। नृत्य आराधना परमात्मा की साधना का मार्ग है। यह ईश्वर से सीधा संपर्क का पवित्र माध्यम है। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए नृत्य गुरुओं और नर्तक नृत्यांगनाओं को कीर्तिमान रचने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। जनजातीय और लोक कलाओं के प्रशिक्षण के लिए खजुराहो में बनेगा देश का पहला गुरुकुल मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की उपलब्धि को विशेष बनाते हुए खजुराहो में देश के पहले जनजातीय और लोक कलाओं के प्रशिक्षण के लिए गुरुकुल स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में जनजातीय और ग्रामीण समुदायों की पारंपरिक कलाओं मसलन शिल्प, नृत्य, गायन, वादन, चित्र और उनके मौखिक साहित्य को वरिष्ठ गुरुओं के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था रहेगी। इस गुरुकुल की परिकल्पना इस तरह से होगी, जहां ग्रामीण जनजीवन में उनके समग्र विकास के साथ पारंपरिक हुनर और देशज ज्ञान पद्धतियों को संरक्षण मिलेगा। साथ ही पूर्वजों की विरासत को भी विस्तार मिलेगा। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी, वन, पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, खजुराहो सांसद वीडी शर्मा, प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी और आमजन इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

सपा की तीसरी लिस्ट जारी, जिसमें 3 यादव, 3 मुसलमान

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में अब तक 31 सीटों पर उम्मीवार उतार चुकी है. सपा ने ये उम्मीदवार तब उतारे जब कांग्रेस के साथ उसके सीट बंटवारे के फॉर्मूले का ऐलान नहीं हुआ. दोनों ही पार्टियां विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा हैं और उनकी ओर से सीट बंटवारे को लेकर आगे बढ़ने की बात कही जाती रही है. मंगलवार (20 फरवरी, 2024) को भी सपा के 5 उम्मीदवारों के नामों के ऐलान से कुछ घंटे पहले कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा कि बातचीत अंतिम चरण में (सीट बंटवारे को लेकर) है. चर्चा चल रही है और इसे कभी भी अंतिम रूप दे दिया जाएगा. समाधान निकलेगा. अब तक घोषित सपा उम्मीदवारों की सूची में 3 यादव और 3 मुस्लिम चेहरे हैं. बाकी 25 सीटों पर भी

जो उम्मीदवार उतारे गए हैं, जिन्हें देखकर अंदाजा लगता है कि सपा ने जाति समीकरण, विशेषकर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) को साधने की कोशिश की है. सपा ने 30 जनवरी को 16 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी. फिर 19 फरवरी को 11 उम्मीदवारों की दूसरी सूची आई और बाद में 20 फरवरी को 5 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी हुई. ये संख्या मिलाकर 32 होती है पर पार्टी ने एक उम्मीदवार बदला है और इसलिए 31 उम्मीदवारों का ही ऐलान अब तक पार्टी की ओर से किया गया. दरअसल, सपा ने पहली सूची में बदायूं सीट से पहले धर्मेंद्र यादव के नाम का ऐलान किया था लेकिन अब उन्हें हटाकर उनके स्थान पर शिवपाल सिंह यादव को टिकट दिया गया.

3 यादव, 3 मुस्लिम चेहरों में कौन?

सपा के अब तक घोषित 31 उम्मीदवारों में जो तीन यादव चेहरे हैं, उनमें बदायूं से शिवपाल यादव, फिरोजबाद से अक्षय यादव और मैनपुरी से अखिलेश यादव की पत्नी और सांसद डिंपल यादव हैं. वहीं, तीन मुस्लिम उम्मीदवारों में संभल से शफीकुर्रहमान बर्क, गाजीपुर से अफजाल अंसारी और कैराना से इकरा हसन शामिल हैं.

सपा ने बदायूं से धर्मेंद्र यादव की जगह शिवपाल यादव को उम्मीदवार बनाकर मजबूत दावेदारी पेश करने की कोशिश की है. दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव में धर्मेंद्र यादव इसी सीट से चुनाव लड़े थे और वह स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी और बीजेपी नेता संघमित्रा मौर्य से हार गए थे. बाद में धर्मेंद्र यादव को 2022 में आजमगढ़ से लोकसभा के उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवार बनाया गया और तब भी उन्हें बीजेपी के दिनेश लाल यादव निरहुआ से हार का सामना करना पड़ा. ऐसे में अखिलेश यादव को बदायूं में मजबूत चेहरे की जरूरत थी. बदायूं सीट पर पिछड़े और दलित समाज के मतदाताओं का प्रभाव माना जाता है. अब चाचा शिवपाल यादव से अखिलेश को उम्मीद है वह यहां जीत दर्ज करेंगे.

राष्ट्रपति भवन पहुंचे ग्रीस के पीएम, मोदी ने रिसीव किया

मित्सोटाकिस बोले- भारत आना सौभाग्य की बात, 9वें रायसीना डायलॉग के चीफ स्पीकर होंगे

ग्रीस के प्रधानमंत्री किरिकोस मित्सोटाकिस बुधवार सुबह राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका औपचारिक स्वागत किया। मित्सोटाकिस मंगलवार देर रात दो दिन की भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने उन्हें रिसीव किया था। मित्सोटाकिस 9वें रायसीना डायलॉग 2024 के चीफ स्पीकर होंगे। प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। एथेंस रवाना होने से पहले मित्सोटाकिस मुंबई भी जाएंगे।

इंफाल कोर्ट में सुनवाई के दौरान हंगामा, सुरक्षाबलों के प्रदर्शनकारियों पर दागे आंसू गैस के गोले

इंफाल । मंगलवार को गोला-बारूद लूटने के मामले में सुनवाई के दौरान इंफाल में चीराप कोर्ट में हंगामा हो गया है. सुरक्षाबलों ने कोर्ट के अंदर प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए टैसर और आंसू गैस के गोले भी दागे. ये प्रदर्शनकारी हथियार और गोला-बारूद लूटने के छह आरोपियों की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे. बताया जा रहा है कि छह आरोपियों की पेशी के दौरान एकत्र हुई प्रदर्शनकारियों की भीड़ में मुख्य रूप से महिलाएं शामिल थी. जो आरोपियों को बेगुनाह बताते हुए बिना शर्त के रिहाई की मांग कर रही थीं. इसके बाद सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों में

टकराव बढ़ गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए. इसके बाद कोर्ट परिसर में भीड़ पर काबू पाने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स ने चीराप कोर्ट परिसर में आंसू गैस के गोले दागे. इस पूरे घटनाक्रम के बाद प्रदर्शिकारी और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई और विशेष न्यायाधीश ने सभी मायेंगबाम बिनोद सिंह, लीतानथेम नाओबा मैतेई, आरके संजय, राजकुमार रोडी सिंह, वांगमायुम सनाथोई और सुनीर फुंडरेइमयुम को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. अदालत का ये फैसला विशेष लोक अभियोजक की एक याचिका पर दिया है, जिसमें 13 फरवरी को चिंगारेल, तेजपुर स्थित 5वीं इंडिया रिजर्व बटालियन से हथियार और गोला-बारूद लूटने में शामिल होने के आरोपों का हवाला दिया गया था.

'24 घंटे के भीतर साबित करें आरोप, वरना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें' शुभेंदु की डीजीपी को चुनौती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा अब एक नया मोड़ ले लिया है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा एक सिख आईपीएस अधिकारी को खालिस्तानी कहने का मामला अब अदालत पहुंच चुका है। अपने ऊपर लगे इन आरोपों पर अधिकारी ने एडीजी (पश्चिम बंगाल) को चुनौती दी कि वह अगले 24 घंटों के भीतर इस आरोप को साबित करें अन्यथा इसका परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, शुभेंदु अधिकारी ने अपने ऊपर लगे सिख पुलिस अधिकारी को खालीस्तानी कहने के आरोप को 24 घंटे के भीतर साबित करने के लिए एडीजी को चुनौती दी है। अन्यता वे इसका परणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाएं। पश्चिम बंगाल पुलिस जो कि ममता बनर्जी की एकमात्र बचाव दल है वह अब ढह रही है। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को दक्षिण 24 परगना के संदेशखाली का दौरा करने से रोकने के लिए

धामखाली में एक सिख आईएएस अधिकारी को तैनात किया गया था। इस दौरान अधिकारी के साथ अग्निमित्र पॉल भी थे। उन्होंने दावा किया कि पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे थे। इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी भाजपा पर भड़क गई। उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा) लगता है कि पगड़ी पहनने वाले सभी सिख खालिस्तानी है। ममता ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आज भाजपा कि विभाजनकारी राजनीति ने संवैधानिक सीमाओं को बेशर्मी से पार कर लिया है। भाजपा के अनुसार, सभी पगड़ी पहनने वाले व्यक्ति खालिस्तानी है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी लगाया है। इस घटना की निंदा करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस मामले पर उचित कार्रवाई करेगी।

सिख आईपीएस अधिकारी को खालिस्तानी कहकर पुकारा: संदेशखाली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात सिख आईपीएस अधिकारी जसप्रीत सिंह ने दावा किया कि शुभेंदु अधिकारी के साथ चल रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें खालिस्तानी कहा। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को कहा, मैं अपनी ड्यूटी कर रहा हूं। आप मेरे धर्म को क्यों निशाना बना रहे हैं। पुलिस अधिकारी को खालिस्तानी कहे जाने के विरोध में सिख समुदाय के लोगों ने कोलकाता में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय और आसनसोल में उसके कार्यालय के खिलाफ प्रदर्शन किया।

क्या है संदेशखाली विवाद- पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित गांव संदेशखाली इन दिनों भारी विरोध प्रदर्शन का गवाह बन रहा है। दरअसल गांव की महिलाओं ने बीते दिनों आरोप लगाए थे कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और अन्य टीएमसी नेताओं ने उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया और कुछ महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन शोषण के भी आरोप लगाए थे। इसे लेकर संदेशखाली में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ता भी संदेशखाली में प्रदर्शन कर रहे हैं। शाहजहां शेख राशन घोटाले में आरोपी है और बीते दिनों ईडी टीम पर हुए हमले में भी शाहजहां शेख आरोपी है। वहीं बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया है।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर में बंद पेट्रोल पंप से बेचा जा रहा था मिलावटी डीजल, 10 से 15 रुपये कम भाव में बेच रहे थे

बंद पेट्रोल पंप से मिलावटी डीजल बिक्री का मामला उजागर हुआ है। क्राइम ब्रांच की सूचना पर खाद्य विभाग की टीम ने तीन इमली चौराहा के पास रिंग रोड पर बंद महाराजा अग्रसेन एस्सार पेट्रोल पंप पर अवैध भंडारण एवं विक्रय करने पर पंप को सील कर डीजल को जब्त किया।रिंग रोड स्थित बंद एस्सार पेट्रोल पंप पर मंगलवार को क्राइम ब्रांच की टीम ने दबिश दी। यहां बसों में डीजल भरते पाए जाने पर खाद्य विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंच खाद्य विभाग की टीम की जांच के समय पंप के एक नोजल से बस में डीजल भरा जा रहा था। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक मोहन मारू ने बताया कि पंप के भूमिगत टैंक से 3334 लीटर डीजल मौके पर मौजूद अर्पित बंसल से जब्त किया गया। वहीं पंप पर बने गोदाम में ड्रम में भरा हुआ 1400 लीटर डीजल भी जब्त किया गया। डीजल की डेंसिटी लेने पर प्रारंभिक जांच में डीजल मिलावटी पाया गया है। मारू का कहना है कि पेट्रोल पंप लाइसेंस का काम विभाग के पास से हटने के बाद इंस्पेक्टर के पास जांच के अधिकार नहीं रहे। इसलिए लाइसेंस आदि की प्रभावी जांच नहीं हो पाती है। 13 साल पहले हुआ बंद महाराजा अग्रसेन एस्सार पेट्रोल पंप को पेट्रोलियम कंपनी ने वर्ष 2011 में बंद कर दिया था। पंप संचालक अशोक अग्रवाल द्वारा इसके बाद भी अवैधानिक रूप से बाहर से डीजल लाकर विक्रय किया जा रहा था। सूत्रों का कहना है कि दो दिन पहले ही पंप पर टैंकर खाली हुआ था। इससे पहले भी एक बार पंप पर कार्रवाई की जा चुकी है। कम दाम में बेचते थे डीजल सड़क से गुजरने वालों से बचने के लिए पंप संचालक द्वारा सड़क की तरफ बंद बस खड़ी कर दी गई थी। इससे अंदर क्या गतिविधियां चलती हैं, यह नजर नहीं आती थीं। पंप पर मौजूद तीन नोजल में से एक नोजल से ही डीजल डाला जाता था। अन्य नोजल को बंद रखा गया था। पंप से 10 से 15 रुपये सस्ता डीजल बेचा जाता था। इसलिए अधिकांश अंतरराज्यीय बसों में डीजल यहीं से डलता था।

किराना कारोबारी के मकान में आग, लगवाग्रस्त पत्नी की मौत

इंदौर। क्लर्क कालोनी में मंगलवार सुबह किराना कारोबारी के मकान को आग ने चपेट में ले लिया। हादसे में कारोबारी की लकवाग्रस्त पत्नी की मौत हो गई। बेटे को बचा लिया गया।घटना सुबह करीब 10.15 बजे एमआर-9 (आइटीआइ के सामने) जितेंद्र उर्फ पप्पू गोयल (मंगू नेता) के घर की है। जितेंद्र का मांगीलाल-बद्रीलाल ब्रदर्स के नाम से किराने का कारोबार है। तल मंजिल पर किराने की दुकान है। पहली और दूसरी मंजिल पर परिवार रहता है। आग की खबर फोन पर मिली सुबह करीब 9.40 बजे जितेंद्र परदेशीपुरा स्थित दुकान पर थे। तभी फोन पर खबर मिली कि घर में आग लग गई है। कर्मचारी रजत को लेकर आए तो देखा पूरा मकान जल रहा है। पत्नी अनिता उर्फ अन्नू और बेटा मयंक आग में फंस गए। भीषण थी आग, सीढ़ियों से लौटना पड़ा रहवासी और रिश्तेदारों ने दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि सीढ़ियों से लौट आए। अन्नू पहली मंजिल पर बने कमरे में थी, जबकि मयंक दूसरी मंजिल के कमरे में। सेंट्रलाइज एसी और सीलिंग-फर्नीचर के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया और दूसरी मंजिल तक जा पहुंची। अंदर ही हो चुकी थी महिला की मौत दमकलकर्मियों के आने पर करीब एक घंटे बाद 54 वर्षीय अनिता को निकाला, लेकिन उसकी मौत हो गई। 28 वर्षीय मयंक खतरे से बाहर है। गोयल परिवार विधायक और कैबिनेट मंत्री का भी करीबी है। उनकी एमबी लाजिस्टिक के नाम से टैक्सी (कारें) चलती हैं।

सवा 11 लाख का 56 किलो गांजा जब्त, जीप की छत में छिपा रखा था

जबलपुर। गांजा तस्करों ने गांजे की तस्करी के लिए इंतजाम पक्के किए थे लेकिन पुलिस के आगे होशियारी काम नहीं आई। जीप की छत में गांजा छिपा था जिसे पुलिस ने पकड़ा। जीप में करीब 11 लाख रुपये कीमत का 56 किलो 236 ग्राम गांजा लेकर जबलपुर आ रहा था, लेकिन खितौला में पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने जब खोल को खोला, तो उसमें पैकेट में यह गांजा रखा हुआ था। मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।एसपी ने नशीले मादक पदार्थ को लेकर सख्त अभियान चलाया हुआ है पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह द्वारा नशीले मादक पदार्थ को लेकर सख्त अभियान चलाया हुआ है। गोसलपुर में इस तस्करी को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा एवं एसडीओपी सिहोरा पारूल शर्मा के मार्गदर्शन में क्राईम ब्रांच एवं थाना की टीम द्वारा 56 किलो 236 ग्राम गांजा के साथ आरोपी को रंगे हाथ पकडा गया है। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पान उमरिया की तरफ से जीप एमपी 20 बीए 1297 खितौला के ग्राम सरदा तिराहा पर पहुंची। जीप चालक दमोह जबेरा निवासी गजराज सिंह ने वहां जीप को रोका, तभी पुलिस वहां पहुंच गई। पुलिस ने गजराज को पकड़ा। जीप की जांच की, तो उसकी छत पर खोल बना मिला। उसे खोला गया, तो देखा कि अंदर 35 पैकेट में गांजा रखा हुआ था। गांजा सेलो टैप से इस तरह से चिपका था कि उसकी गंध बाहर न आए। पुलिस ने गांजा और जीप जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में गजराज सिंह ने बताया कि वह उड़ीसा से गांजा लेकर आ रहा था।

अप्रैल से बदलेगा इंदौर से जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का समय

सिटी चीफ इंदौर ।

देशभर में 31 मार्च से लागू हो रहे समर शेड्यूल में कई उड़ानों का समय बदलने वाला है। एक अप्रैल से प्रत्येक सोमवार शारजाह उड़ान 5.50 घंटे पहले रात्रि में 11.05 बजे इंदौर पहुंच जाएगी, जो अभी सुबह 5.55 बजे आती हैं। वहीं इंदौर से मंगलवार को जाने वाली उड़ान 6.40 घंटा पहले रात 12.05 बजे रवाना होगी, जो वर्तमान में सुबह 6.45 बजे रवाना होती हैं।दुबई उड़ान का भी चार अप्रैल से एक घंटा देरी से रात 10.45 को इंदौर आएगी। अभी रात 9.35 बजे इंदौर पहुंच रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों के समय मे परिवर्तन किया जा रहा है। अप्रैल से एयर इंडिया एक्सप्रेस शारजाह और दुबई की फ्लाइट का समय बदलने जा रही है। शारजाह उड़ान अभी जहां मंगलवार को सुबह आकर वापस जाती है, वहीं एक अप्रैल से यह सोमवार रात आकर मंगलवार देर रात वापस जाएगी। इससे यात्री देर रात ही शारजाह पहुंचेंगे और उन्हें सिर्फ रात के कुछ घंटे गुजारने के लिए होटल के पूरे दिन के पैसे चुकाना होंगे या रात एयरपोर्ट पर बिताना होगी। सबसे ज्यादा बदलाव मंगलवार की फ्लाइट में किया गया है। अभी इंदौर से हर मंगलवार और रविवार को इंदौर से शारजाह के बीच और गुरुवार को दुबई के बीच उड़ानों का संचालन हो रहा है। यह नए शेड्यूल में भी जारी रहेगा। सिर्फ उड़ानों के समय में बदलाव हो रहा हैं। विमान कंपनी ने नए शेड्यूल के अनुसार बुकिंग शुरू कर दी है। यह रहेगा शारजाह उड़ान का समय - एक अप्रैल से प्रत्येक सोमवार शाम 6.15 बजे शारजाह से चलकर रात 11.05 बजे इंदौर पहुंचेगी। - प्रत्येक मंगलवार को रात्रि 12.05 बजे के इंदौर से रवाना होकर रात 3.05 बजे शारजाह पहुंचेगी। यह रहेगा दुबई उड़ान का शेड्यूल - चार अप्रैल प्रत्येक गुरुवार को शाम 5.40 को दुबई से रवाना होकर 10.45 को इंदौर पहुंचेगी। - प्रत्येक शुक्रवार को रात 12.30 बजे इंदौर से उड़ान भरकर रात 2.55 को दुबई पहुंचेगी।

सात मंजिला होगा इंदौर रेलवे स्टेशन

50 साल की जरूरत को पूरा करेगा भवन

सिटी चीफ इंदौर ।

इंदौर रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 फरवरी को वचुअर्ली इसका भूमिपूजन करेंगे। आने वाले पचास सालों की जरूरत के अनुसार स्टेशन की बिल्डिंग सात मंजिला बनेगी। एयरपोर्ट की तर्ज पर तैयार होने वाली इस इमारत में यात्रियों की सुविधा के लिए 26 लिफ्ट और 27 एस्केलेटर लगाए जाएंगे।इंदौर रेलवे स्टेशन की पुरानी इमारत के स्थान पर सात मंजिला आधुनिक इमारत आकार लेगी। नए रेलवे स्टेशन का बिल्ट अप एरिया 4.56 लाख स्क्वायर फीट होगा। वर्तमान स्टेशन का बिल्टअप एरिया सिर्फ 50 हजार वर्गफीट है। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि शहर की 50 साल की आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे स्टेशन बनाया जा रहा है। इसकी बिल्डिंग सात मंजिला होगी और पहले चरण में 495 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साल 2027 तक स्टेशन का निर्माण कर संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इंदौर रेलवे स्टेशन से स्काय वाक और मेट्रो स्टेशन को जोड़ा जाएगा। स्टेशन पर भव्य प्रवेश द्वार, रूफ प्लाजा, एक्जिक्यूटिव लाउंज, अतिरिक्त प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म कवर शेड, स्टेशन क्षेत्र की जल निकासी की व्यवस्था और वाई-फाई आदि की सुविधाएं उपलब्ध होगी।

इंदौर में आज होगा जोन अध्यक्षों का निर्वाचन, वार्ड समितियां भी बनेंगी

सिटी चीफ इंदौर ।

लंबे इंतजार के बाद नगर निगम के जोन अध्यक्षों के चुनाव बुधवार 21 फरवरी को होने जा रहे हैं। इसके जरिये शहर सीमा के सभी 22 जोन में अध्यक्ष चुने जाएंगे। जोन अध्यक्ष चुनाव के लिए नगर निगम के सहायक आयुक्त, अधीक्षक यंत्री, सहायक यंत्री सहित अन्य अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारी बुधवार सुबह 10 से 12 बजे के बीच सभी जोनल कार्यालयों पर जोन अध्यक्ष निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी करवाएंगे। हाल ही में अस्तित्व में आए तीन नए जोन के अध्यक्षों का चुनाव अन्य जोन कार्यालयों पर होगा।मंगलवार को दिनभर भाजपा विधायक और नेतागण जोन अध्यक्षों के नाम को लेकर मंथन करते रहे। किसी जोन में तीन तो किसी में चार वार्ड शामिल किए गए हैं। इन वार्डों के पार्षद बुधवार सुबह अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। वार्डों को जोन में इस तरह से शामिल किया गया है कि तय है कि सभी जोन में जोन अध्यक्ष भाजपा का ही होगा। **ऐसे होगी चुनाव प्रक्रिया** सभी जोनल के अंतर्गत आने वाले वार्डों के पार्षदों को जोन पर बुलाया जाएगा। उनकी बैठक के दौरान जोन अध्यक्ष का नाम तय कर चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए नामांकन फार्म और चुनावी प्रक्रिया कराई जाएगी। पार्षदों की बैठक सुबह 9.45 होगी और 10 से 10.15 बजे तक नामांकन पत्र जमा किया जा सकेगा। नामांकन पत्र जमा होने के बाद उसकी जांच करने के बाद 10.30 बजे के बाद नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। **इन्हें बनाया निर्वाचन अधिकारी** सहायक आयुक्त राजेंद्र यादव, अधीक्षक यंत्री महेश शर्मा, कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी संदीप पाटोदी, लखन शास्त्री, विवेक गंगराड़े, राजेश जायसवाल, सुमित अस्थाना, जितेंद्र जमींदार, मनोज जैन, सुनील गुप्ता, देवानंद पाटिल, डा. उत्तम यादव, पीसी जैन, डा. अखिलेश उपाध्याय, राकेश सराफ, डीआर लोधी को अलग-अलग जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिव्यांग महिला देखी तो शिकायत लेने खुद पहुंचे एसपी

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान एक दिव्यांग महिला अपनी शिकायत लेकर रिक्शा में पहुंची। महिला की अवस्था ऐसी थी कि वह चलने में असहज महसूस कर रही थी। यह देख पुलिस अधीक्षक खुद ही कुर्सी छोड़कर महिला के पास पहुंचे। रिक्शे में बैठी महिला से पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह मिले और शिकायत ली। उन्होने परिवारिक मामला होने की वजह से आलंबन संस्था को यह प्रकरण सौंपा।लोन लेने के बाद मकान बेचा और भाग निकला जनसुनवाई में प्रेम सागर राधा कृष्णन वार्ड निवासी सुषमा बंशकार पहुंची। सुषमा ने हस्ताक्षरित शिकायत के माध्यम से बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति ने वर्ष 2018 में एक माइक्रो फाइनेंस कम्पनी से एक लाख 20 हजार रुपए का लोन लिया था। इसमें बतौर गारंटी उसका नाम लिखा। लोन लेने के बाद उक्त व्यक्ति ने अपना मकान बेचा और भाग निकला। जिसके बाद से कम्पनी के लोग उसे परेशान कर रहे है। रांझी निवासी सुषमा ठाकुर ने हस्तलिखित शिकायत के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को बताया कि आवश्यकता होने पर उसने कुछ सूदखोरों से रुपए लिए थे। उसने सूदखोरों को ब्याज भी दिया, लेकिन उनका ब्याज का चक्र खत्म नहीं हो रहा है और सूदखोर उसे परेशान कर रहे है। मामले में रांझी पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।

इंदौर के 15 थानों की सीमाओं का हुआ पुनर्निधारण

कलेक्ट्रेट को रावजी बाजार से हटाकर पंढरीनाथ में

सिटी चीफ इंदौर ।

इंदौर जिले में शहरी क्षेत्र के थानों की सीमाओं का पुनर्गठन किया गया है, ताकि आमजन की पहुंच आसान हो सके और पुलिस भी क्षेत्र की सतत निगरानी रख सके। शहरी क्षेत्र के 15 थानों की सीमाओं में बदलाव किए गए है। कलेक्ट्रेट को अब रावजी बाजार थाना क्षेत्र से हटाकर पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में शामिल किया गया है। इसके साथ ही मोती तबेला और हरसिद्धि भी अब पंढरीनाथ थानों क्षेत्र में आएंगे।मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद थाना क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निधारण किया गया है। जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की बैठक के बाद शहरी सीमाओं के पुनर्निधारण का प्रस्ताव तैयार किया गया था। कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा थाना क्षेत्रों के पुनर्निधारण की अधिसूचना जारी कर दी। शहरी क्षेत्र के 15 थानों की 53 कालोनियों को नए थानों में शामिल किया गया है। सबसे अधिक 15 कालोनियां विजय नगर थाना क्षेत्र से हटाकर एमआइजी में जोड़ी गई है। एमआइ की सात कालोनियों को तुकोगंज में जोड़ा गया है। राजेंद्र नगर थाने की सात कालोनियों को भी राऊ थाना क्षेत्र में जोड़ा गया है।

लंबे इंतजार के बाद खिलाड़ियों को मिली शासकीय नियुक्ति

सिटी चीफ इंदौर ।

विक्रम पुरस्कार प्राप्त प्रदेश के 28 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिये विभागों का आवंटन किया गया है। इसमें जल-संसाधन विभाग में 14, नगरीय विकास विभाग में पांच, चिकित्सा शिक्षा में तीन, ऊर्जा विभाग में दो, लोक निर्माण विभाग में तीन और वन विभाग में एक खिलाड़ी को शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिये विभाग आवंटित हुआ है।जल-संसाधन विभाग के लिये वर्ष 2017 की रोइंग खिलाड़ी सोना कीर, वर्ष 2018 की क्रिकेट खिलाड़ी पूजा वस्त्रकार, वर्ष 2019 के थ्रो-बाल खिलाड़ी चन्द्रकांत हरडे, वर्ष 2020 के कैनो स्लालम खिलाड़ी विश्वजीत सिंह और घुड़सवारी खिलाड़ी हर्षवर्धन तोमर, वर्ष 2021 की साफ्ट टेनिस खिलाड़ी आध्या तिवारी, घुड़सवार सुदीप्ति हजेला, खो-खो खिलाड़ी नेन्सी जैन, जूडो खिलाड़ी पूनम शर्मा, वर्ष 2022 के वूशु खिलाड़ी भूरक्षा दुबे, निशानेबाज प्रगति दुबे, मलखम्भ खिलाड़ी राजवीर सिंह पवार, घुड़सवार राजू सिंह और टेनिस खिलाड़ी धनंजय दुबे को चयनित किया गया है। नगरीय विकास विभाग के लिए वर्ष 2019 की साफ्ट टेनिस खिलाड़ी पूजा पारखे, वर्ष 2021 की क् ाकिंग-कैनोइंग खिलाड़ी आरती नाथ, साफ्टबाल खिलाड़ी रागिनी चौहान, योगा के रोहित वाजपेई और साहसिक खेल के रत्नेश पांडे को चयनित किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिये वर्ष 2021 की कबड्डी खिलाड़ी कंचन ज्योति, वर्ष 2022 के साफ्ट टेनिस खिलाड़ी आदित्य दुबे और साफ्टबाल खिलाड़ी सुबोध चौरसिया का चयन हुआ है। ऊर्जा विभाग के लिए वर्ष 2019 के साफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीणा और वर्ष 2021 के साहसिक खेल के लिए भगवान सिंह कुशवाह का चयन हुआ है। लोक निर्माण विभाग के लिये वर्ष 2019 की क्याकिंग-कैनोइंग खिलाड़ी राजेश्वरी कुशराम, वर्ष 2020 की पैरा केनो खिलाड़ी प्राची चादव और कराते खिलाड़ी निधि नन्हेट का चयन हुआ है।

श्रीअन्न में किया नवाचार, इंदौर की महिला को मिला सम्मान

सिटी चीफ इंदौर ।

देशज खाद्यान्न के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करने व सकारात्मक माहौल बनाने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन व किसान सेवा समिति महासंघ द्वारा देशज खाद्यान्न महोत्सव का आयोजन जयपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में इंदौर की प्रीति चौहान पंजाबी को मिलेट्स जागरूकता को लेकर काम करने पर सम्मानित किया गया। प्रीति ने कोविड संक्रमण काल के समय एक खास फूड इनोवेशन शुरू किया था, जिसमें वे लाइव श्रीअन्न के पकवान व पोषक स्नैक्स बनाती थीं। इसका असर यह हुआ कि कई लोग श्रीअन्न के प्रति जागरूक हुए और इन्हें अपने भोजन में शामिल किया।विशेष बात यह है कि प्रीति ने अन्य महिलाओं को श्रीअन्न से जो स्नैक्स बनाने सिखाए, वे तले हुए नहीं बल्कि भुने हुए रहे। इससे वे शरीर के प्रति नुकसानदेह भी नहीं रहे। बता दें कि श्रीअन्न में ज्वार, बाजरा, रागी और कुट्टू जैसे अनाजों को शामिल किया जाता है। ये ग्लूटेन फ्री होने के साथ शरीर के लिए फायदेमंद भी होते हैं।

प्रीति ने बताया कि मिलेट्स को देशज यानी मोटे अनाज के नाम से जाना जाता है, मगर हमें इसे श्रीअन्न के नाम से पुकारना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जब किसान अनाज बोता है, तो यह प्रार्थना करता है कि मैं यह जो बो रहा हूं, यह पहले देश व समाज का तथा उसके बाद मेरे परिवार का और फिर अंत में मेरा पेट भरे। किसान के अंदर त्याग की एक पवित्र भावना होती है। हमें इस भावना को बरकरार रखते हुए इन अनाजों को श्रीअन्न बुलाना चाहिए।

श्रीअन्न के सेवन से ये लाभ

श्रीअन्न के फायदों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2023 को मिलेट वर्ष घोषित किया गया। इनका सेवन करने से रक्तचाप, शुगर, कोलेस्ट्राल जैसी बीमारियां नहीं होतीं। साथ ही श्रीअन्न में कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, जिंक और सोडियम भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

सरकार भी दे रही प्रोत्साहन

भारत सरकार भी देशज अनाजों के महत्व को समझते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में श्रीअन्न को स्थानीय स्तर पर प्रोत्साहन दे रही है। भारत की भौगोलिक, सामाजिक व सांस्कृतिक विविधता के आधार पर हजारों वर्ष से संचित परम्परागत व देशज ज्ञान प्रकृति के साथ तारतम्य से उपजा है। अत: जलवायु परिवर्तन व कुपोषण जैसी समस्याओं को सामना करने के लिए आवश्यक है कि देशज खाद्यान्न के संरक्षण, उपभोग व उपयुक्त बाजार को बढ़ावा दिया जाए।

जनजातीय संग्रहालय में देखें चित्र प्रदर्शनी, ओल्ड एमसीयू परिसर में विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। बुधवार 21 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस - पूज्य सिंधी पंचायत आज अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाएगी। पंचायत के महासचिव माधु चांदवानी के अनुसार मातृभाषा के सर्वांगीण विकास, संवर्धन एवं उत्थान के लिए यह दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम बैरागढ़ में नवयुवक सभा भवन के सामने कार्यालय में मनाया

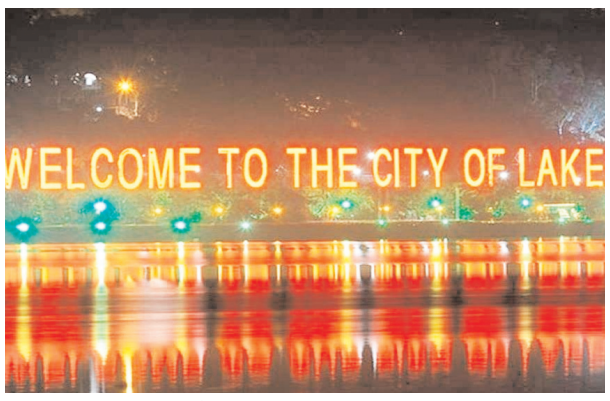

जाएगा। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी - त्रिलंगा स्थित पुराने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। 25 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में महिलाओं के समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के 20 से अधिक बुनकर अपने उत्पाद लेकर आए हैं। परिचर्चा - लेखक लोकेंद्र सिंह की बहुचर्चित पुस्तक 'हिंदवी स्वराज्य दर्शन' पर परिचर्चा का आयोजन शाम छह बजे विश्व संवाद केंद्र के मामाजी माणिकचंद्र वाजपेयी सभागार में होगा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत मुक्तिबोध और साहित्य अकादमी के निदेशक डा. विकास दवे अपने विचार रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत के संघचालक अशोक पांडेय करेंगे।

नगर निगम की आन-स्पाट चालानी कार्रवाई

10 नंबर मार्केट व एमपी नगर में 112 लोगों से वसूले 3.29 लाख रुपये

सिटी चीफ भोपाल।

शहर के 10 नंबर मार्केट और एमपी नगर बाजार में मंगलवार को नगर निगम की मोबाइल कोर्ट ने अतिक्रमण करने, गंदगी फैलाने और बिना लायसेंस व्यवसाय करने वाले 174 लोगों के चालान बनाए। वहीं 112 लोगों से 3.29 लाख रुपये अर्थदंड वसूला गया। जबकि 64 प्रकरण न्यायालय भेजे गए।बता दें कि एमपी नगर में अतिक्रमण की शिकायतें लगातार नगर निगम को मिल रही थीं। जिसके तहत म्युनिसिपल कोर्ट द्वारा मंगलवार को एमपी नगर जोन वन और टू के साथ ही 10 नंबर मार्केट में भी कार्रवाई की। मोबाइल कोर्ट की वैन सबसे पहले एमपी नगर जोन-1 पहुंची। यहां एक्सिस बैंक के पास कार्रवाई की गई। इसके बाद

जोन-2 में कार्रवाई की गई। यहां चालानी कार्रवाई को अंजाम देने के बाद मोबाइल कोर्ट 10 नंबर मार्केट पहुंची। **व्यापारियों में मचा हड़कंप** जैसे ही मोबाइल कोर्ट वैन पर व्यापारियों की नजर पड़ी तो बाजार में दुकानें धड़ाधड़ बंद होने लगीं। व्यापारी अपनी दुकानें बंद कर चले गए। इसी दौरान नगर निगम अतिक्रमण अमले में फुटपाथों पर कब्जा करने वालों सहित दुकानों के सामने कब्जा कर सामान रखने वाले व्यापारियों को चालान थमाने शुरू कर दिए। इसके बाद म्यूनिसिपल मजिस्ट्रेट ने आन-द-स्पाट चालानी कार्रवाई करते हुए व्यापारियों से जुर्माना वसूल किया।

भदभदा बस्ती के लोग बोले- चार पीढ़ियों से रह रहे हैं, मर जाएंगे, लेकिन घर नहीं मिटने देंगे

सिटी चीफ भोपाल।

जब 12 साल की थी, तो इस बस्ती में ब्याह के आइ थी। अब 88 वर्ष की हो गई हूं, मेरी चार पीढ़ियां यहीं पर पली-बढ़ीं। अब अचानक प्रशासन हमें हटाना चाह रहा है। कहीं जगह नहीं बताई, हम कहां जाएं। यदि सरकार हटाती है, तो इसी तालाब में डूब कर मर जाउंगी, लेकिन यहां से हटूंगी नहीं। यह कहना है भदभदा बस्ती में रहने वाली प्रेम बाई की। जब उनसे बात की गई, तो उन्होंने यह दर्द बयां किया। इनके पति 90 वर्षीय चुन्नी लाल खरे बीमार रहते हैं। 15 लोगों का परिवार है। अब इन्हें चिंता सता रही है, कि अपने बच्चों को लेकर कहां जाएं।बता दें कि यहां 386 घरों को खाली करने का नोटिस दिया गया है। जबसे नगर निगम का अमला बस्ती में पहुंचा है, घर टूटने के डर से कई लोगों ने भोजन-पानी छोड़ दिया है। इधर बिजली-पानी पहले ही बंद कर दी गई है। लेकिन रहवासियों ने घर खाली करने से साफ इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक प्रशासन रहने की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं करता, घर खाली नहीं करेंगे। हालांकि प्रशासन की ओर से बस्ती में दो होर्डिंग भी टांगे गए हैं। जिसमें लिखा है कि मंगलवार की शाम तक लोग खुद अपना सामान लेकर नहीं गए तो बुधवार की सुबह प्रशासन बलपूर्वक सभी घर खाली करवाएगी। पहले पट्टे दिए, अब हटाने की तैयारी रहवासियों ने बताया कि वर्ष 2006 में सरकार ने उन्हें पट्टे दिए हैं। लेकिन अब घर के बाहर लगे सरकारी माइक पर बार-बार हिदायत दी जा रही है कि सभी रहवासी घर खाली करें। यह सुन-सुन कर यहां के 1500 से अधिक रहवासी परेशान हो रहे हैं। हालांकि इनको शिफ्ट करने के लिए नगर निगम ने 50 कम्युनिटी हाल आरक्षित कर दिए हैं। लेकिन मंगलवार को एक भी परिवार वहां नहीं गया। मासूम रो-रोकर मांग रहे मदद भदभदा बस्ती में एक आंगनबाड़ी भी है। जिसमें छह वर्ष तक के 130 बच्चे रजिस्टर्ड हैं। लेकिन जब से यहां एनजीटी के निर्देश पर मकान खाली करने की चेतावनी दी गई है। बच्चों ने आंगनबाड़ी जाना बंद कर दिया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि जिस घर में जा रही हूं, सभी उम्मीद की नजर से मुझे देख रहे हैं कि घर टूटने से बचा लूं, लेकिन मैं भी कुछ नहीं कर सकती। बच्चे रो-रो कर मुझसे मदद मांग रहे हैं। तालाब का गंदा पानी पीने को मजबूर रहवासी बीते पांच दिन पहले नगर निगम ने यहां रहवासियों के घर पर लगा नल कनेक्शन काट दिए। यहां पीने के पानी का अन्य कोई साधन नहीं है। ऐसे में लोग तालाब के गंदे पानी को छानकर पी रहे हैं। यही बच्चों और बुजुर्गों के साथ बीमार लोगों को भी पिलवा रहे हैं। इधर कलेक्टर के निर्देश पर बस्ती का बिजली कनेक्शन भी काट दिया गया है। जिससे रात के अंधेरे में सानिया खान नाम की गर्भवती महिला घर में गिर गई। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आयुक्त ने दोपहर दो बजे बुलाई आपात बैठक भदभदा बांध के कार्यालय में मंगलवार की दोपहर दो बजे नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए. ने निगम अधिकारियों के साथ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। जिसमें पुलिस के डीसीपी और तहसीलदार के साथ अतिक्रमण हटाने की योजना पर चर्चा हुई। इसमें अपर आयुक्त विनीत तिवारी के साथ निगम के जलकार्य, अतिक्रमण, राजस्व और स्वास्थ्य समेत अन्य शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। पीड़ित महिलाओं ने कलेक्टर को घेरा मंगलवार शाम कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह भी भदभदा बस्ती पहुंचे। जहां पहले से निगम आयुक्त, अपर आयुक्त सहित पुलिस अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेना शुरू की, तभी सड़क पर बस्ती की महिलाएं एकत्रित हो गईं और चक्काजाम कर दिया। बैठक से बाहर निकले अधिकारियों ने बस्ती के रहवासियों से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने भरोसा दिलाया कि प्रति घर को 50 हजार रुपये की मदद करेंगे और हाउसिंग फार आल के तहत आवास लेने पर 30 हजार की सबसिडी भी दिलाएंगे। लेकिन रहवासियों उनकी एक न सुनी। जिसके बाद पुलिस आयुक्त हरिनारायनाचारी मिश्र को सूचना दी गई। उन्होंने मौके पर पुलिस बल भेजा। तब जाकर अधिकारियों के वाहनों को बस्ती से बाहर जाने का रास्ता मिला। बड़ा तालाब के पास स्थित भदभदा बस्ती के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई बुधवार को की जाएगी। इससे पहले रहवासियों को खुद से अपने घर खाली करने का अवसर दिया जा चुका है। प्रशासन द्वारा रहवासियों को पीएम आवास में लोन दिलाने में मददे करने, गृहस्थी का सामान शिफ्ट कराने, अस्थायी रूप से वैकल्पिक स्थल सहित अन्य विकल्प दिए गए हैं।

मप्र में राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होंगे कमल नाथ

भाजपा में जाने की अटकलों को दिया विराम

सिटी चीफ भोपाल।

भाजपा में शामिल होने की अटकलों को विराम देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ मंगलवार को राहुल गांधी की मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी बैठक में शामिल हुए। अब तक वह इस यात्रा से दूरी बनाए हुए थे।मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक में न केवल वर्चुअली शामिल हुए बल्कि यह भी कहा कि मैं यात्रा में शामिल रहूंगा। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गुना से बैठक में वर्चुअली जुड़े और कहा कि पिछले दिनों जो कोहरा छाया हुआ था, वह कमल नाथ ने बैठक में शामिल होकर साफ कर दिया। विभिन्न समितियों के सदस्यों की बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय स्थित वार रूम में यात्रा को लेकर गठित विभिन्न समितियों के सदस्यों की बैठक हुई। इसमें कमल नाथ समर्थक पूर्व विधायक सज्जन सिंह वर्मा, सुखदेव पांसे, विधायक लखन घनघोरिया, मधु भगत सहित अन्य विधायक और समितियों के

सदस्य शामिल हुए। राज्य सभा सदस्य विवेक तन्खा भी वर्चुअली जुड़े। पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह ने यात्रा मार्ग और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। यात्रा राजस्थान के धौलपुर से दो मार्च को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। पूरी जानकारी मंगाई कमल नाथ ने कमल नाथ ने यात्रा के मार्ग, ठहरने के स्थान, भोजन और परिवहन व्यवस्था की जानकारी ली और प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह से कहा कि मुझे पूरी जानकारी भेजें। मैं भी इसमें शामिल रहूंगा। वह छिंदवाड़ा अपने पूर्व निर्धारित दौरे को संशोधित कर एक दिन पूर्व दिल्ली पहुंच गए थे। इस तरह की अटकलें चल रही थीं उनके पुत्र समेत समर्थकों के साथ भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं पर इसका उन्होंने सीधे तौर पर कोई खंडन नहीं किया। इससे प्रदेश कांग्रेस के नेताओं में बेचैनी थी लेकिन उनके राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी बैठक में शामिल होने से साफ हो गया है कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं और साफ हो गया है कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने मोबाइल फोन का स्पीकर माइक के पास रखा कार्यकर्ताओं में कोई भ्रम न रहे, इसलिए दिग्विजय सिंह ने कमल नाथ का भाषण मोबाइल फोन का स्पीकर माइक के पास रखकर सबको सुनाया और बैठक में शामिल होकर स्थिति स्पष्ट करने के लिए उनका धन्यवाद भी दिया। यात्रा मार्ग में कोई अव्यवस्था न हो जितेंद्र सिंह ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि यात्रा मार्ग में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, यात्रा को सफल और प्रभावी बनाने के लिए एक-एक कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ काम करे। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यात्रा में संगठन के सभी पदाधिकारी, मोर्चा संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों के सभी पदाधिकारी पूरी ताकत के साथ सहभागिता करें। बैठक में छिंदवाड़ा समेत कुछ जगह के विधायक वर्चुअली भी शामिल हुए।

इग्नू के दीक्षा समारोह में उपाधि पाकर खिल उठे चेहरे, फिर याद आए परीक्षा के वो दिन

सिटी चीफ भोपाल।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का 37वां दीक्षा समारोह सोमवार को हुआ। कार्यक्रम इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के सभागार में आयोजित हुआ, जहां 1836 अहर्य अभ्यर्थियों में से 200 से भी अधिक विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से उपाधि प्रदान की गई। क्षेत्रीय केन्द्र के समारोह में कुलपति मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय डा. संजय तिवारी विशिष्ट अतिथि ने उपाधि धारकों को संबोधित किया। भोपाल क्षेत्रीय केंद्र पर 710 मास्टर लेवल प्रोग्राम, 467 ग्रेजुएशन लेवल प्रोग्राम, 387 पीजी डिप्लोमा एवं डिप्लोमा तथा 272 उपाधियां सर्टिफिकेट अभ्यर्थियों को प्रदान किए गए। भोपाल केंद्र से 1056 विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी एवं 43 विद्यार्थियों को डिस्टिंक्शन के साथ उपाधियां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त 33 उपाधियां जेल अध्ययन केंद्र के बंदी छात्रों को भी प्रदान हुई।भोपाल क्षेत्रीय केन्द्र के तहत 117 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट इन कम्युनिटी हेल्थ की उपाधि प्रदान की गई, जिसके बाद इन अभियर्थियों को भारत सरकार की आयुष्मान योजना के तहत कम्यूनिटी हेल्थ आफिसर के रूप में पोस्ट किया गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा के पाठ्यक्रम ज्योतिष को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के लिए 18 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पांच केन्द्रीय कारागारों पर संचालित इग्नू अध्ययन केन्द्र से संबंधित 33 बंदियों को भी उपाधि दी गई।इस उपाधि पाकर अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे, सेवानिवृत्त विद्यार्थियों को परीक्षा के दिनों की यादें फिर से ताजा हो गई। 79 वर्षीय डा. जय सिंह ने प्राप्त की एमबीए की डिग्री क्षेत्रीय केंद्र भोपाल पर 79 वर्षीय डा. जय सिंह परिहार ने एमबीए की डिग्री प्राप्त की। लगभग 10 अन्य ऐसे विद्यार्थी रहे, जिन्होंने 60 वर्ष के बाद अपनी जीवन शिक्षा को जारी रखा एवं ज्योतिष लोक प्रशासन तथा हिंदी साहित्य विषयों में डिग्री हासिल की। दीक्षांत समारोह पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ, इग्नू एमएसडीई प्रसार केन्द्र, जन शिक्षण संस्थान भोपाल एवं क्राइस्ट कालेज भोपाल के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए हस्थ कलाओं का प्रदर्शन हुआ। इसके अतिरिक्त ब्रह्माकुमारी भोपाल द्वारा छात्रों में नशा मुक्त भारत एवं विनायक कृषि उत्पादक समूह ने मोटे अनाज के फायदे की जागरुकता छात्रों के मध्य में किया। 65 वर्ष की उम्र में पति-पत्नी ने एक साथ पाई उपाधि इस मौके पर 65 वर्षीय पति-पत्नी ने एक साथ एमए ज्योतिष की उपाधि प्रदान की गई। इसमें स्टेट बैंक आफ इंडिया से सेवानिवृत राज बहादुर गोयल और उनकी पत्नी डा. साधना गोयल ने शामिल रहे। उन्होंने बताया कि हम दोनों ने एक साथ इसका फार्म भरा था। जीवन में कुछ नया करना चाहते थे।

अवैध संबंधों के शक में पत्नी की हत्या चाकू और डंडे से वार कर गला घोंटा

सिटी चीफ ग्वालियर।

अपनी पत्नी के किसी अन्य युवक से अवैध संबंध होने के शक के चलते जलालपुर के रहने वाले बलवीर कुशवाह ने अपनी पत्नी मीना कुशवाह की हत्या कर दी। बलवीर को शक था कि उसकी पत्नी के किसी रवि जाटव नामक युवक से संबंध है, दोनों रोजाना फोन पर बातचीत भी करते हैं। इस

चक्कर में आए दिन दोनों के बीच लड़ाई झगड़े होते थे।घटना मंगलवार की रात साढ़े आठ बजे की है। महिला को फोन पर बात करता देख दोनों के बीच फिर से विवाद शुरू हो गया । विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया । गुस्से में आकर बलवीर ने अपनी पत्नी के शहर में छह जगहों पर वार किया । डंडे से किया जोरदार वार इसके बाद एक मोटे डंडे से पत्नी के सिर पर जोरदार वार किया जिससे वह लहूलुहान हो कर गिर पड़ी ।

सलमान खान, कपिल शर्मा को भेजा मुफ्त राशन युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करने की मांग

सिटी चीफ भोपाल।

आजकल मोबाइल पर आनलाइन गेमिंग का चलन बढ़ गया है। मनोरंजन जगत से जुड़े कई सेलेबिटीज भी विज्ञापनों में आनलाइन गेमिंग एप का प्रचार करते नजर आते हैं। भोपाल शहर के एक सामाजिक संगठन सिंधु सेना ने इस पर चिंता प्रकट की है और जूपी एवं अन्य आनलाइन गेम का प्रचार कर रहे कपिल शर्मा, सलमान खान एवं अन्य अभिनेताओं से मांग की है कि वे इनका प्रचार करना बंद करें, ताकि युवा पीढ़ी का भविष्य खराब न हो।युवा पीढ़ी को अपना शिकार बना रही आनलाइन गेमिंग सिंधु सेना अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि आनलाइन गेमिंग भी एक तरह का जुआ ही है। यह आनलाइन गेमिंग खासकर युवा पीढ़ी को अपना शिकार बना रही है। आनलाइन गेम में अच्छी-खासी रकम हार जाने से हताश लोग आए दिन खुदकुशी करने

जैसा कदम उठा रहे है। अभिनेताओं को हमारा समाज विशेषकर युवा पीढ़ी एक आदर्श के रूप में देखती है एवं उनके नक्शे कदम पर चलती है। ऐसे में समर्थ अभिनेताओं द्वारा आनलाइन गेम का प्रचार उन्हें हताशा और मौत के मुंह में धकेल रहा है। ये अभिनेता इतने सक्षम है कि अगर ये जुए या सट्टेबाजी जैसे इन आनलाइन गेम्स का प्रचार न भी करें, तो इनके घर में राशन की कमी नहीं होगी। इस पर भी यदि उन्हें ऐसा लगता है तो सिंधु सेना द्वारा उन्हें राशन भेजा गया है और हम उनसे अपील करते हैं कि युवा पीढ़ी का ख्याल करते हुए वह इनका प्रचार करना बंद करें।

भोपाल में बच्चों को लगेगा जापानी बुखार का टीका

15 वर्ष तक के 9 लाख बच्चों के वैक्सीनेशन का लक्ष्य

सिटी चीफ भोपाल।

जापानी बुखार या मस्तिष्क बुखार (जेपेनीज इंसेफेलाइटिस) के संक्रमण से बचाने एक से 15 साल की उम्र के बच्चों को जेपेनीज इंसेफेलाइटिस का टीका 27 फरवरी से लगाने का अभियान चलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी में 9 लाख बच्चों को सिंगल डोज लगाए जाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियां भी पूर्ण कर ली है। जेपेनीज इंसेफेलाइटिस (जेई) बुखार को जापानी बुखार और दिमागी बुखार भी कहा जाता है। यह मच्छर के काटने से होने वाली बीमारी है। नेशनल वेक्टर बोर्न कंट्रोल प्रोग्राम की रिपोर्ट के अनुसार जेपेनीज इंसेफेलाइटिस का वायरस सुअर

और जंगली पक्षियों में पाया जाता है। जो जेई वायरस वाले सुअर अथवा जंगली पक्षी को जब क्यूलेक्स प्रजाति का मच्छर काटता है, तो जेई के वायरस मच्छर के शरीर में पहुंच जाते हैं। यही मच्छर जब स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, तब व्यक्ति को जेपीनीज इंसेफेलाइटिस का संक्रमण हो जाता है।सीएमएचओ डा. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि भोपाल में 27 फरवरी से एक साल से 15 साल तक की उम्र के बच्चों को जेपेनीज इंसेफेलाइटिस का वैक्सीन लगाया जाएगा। इस वैक्सीन के लगाए जाने से बच्चों में मस्तिष्क बुखार फैलाने वाले वायरस से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा होगी। उन्होंने बताया कि एक साल से कम उम्र के बच्चों का वैक्सीन अभी नहीं होगा। इन बच्चों को जेपेनीज इंसेफेलाइटिस का वैक्सीनेशन के अगले चरण में होगा। इसे लेकर मंगलवार को कलेक्टोरेट में कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें जिला पंचायत सीईओ , सीएमएचओ, सिविल सर्जन सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सीएमएचओ ने बताया कि एक साल से कम उम्र के बच्चों को जेपेनीज इंसेफेलाइटिस वैक्सीन के दो डोज लगाए जाएंगे। पहला डोज बच्चे को जन्म के 9 महीने के बाद लगेगा। जबकि दूसरा बच्चे की उम्र 16 महीना होने पर लगेगा। लेकिन, 27 फरवरी से शुरू हो रहे जेपेनीज इंसेफेलाइटिस वैक्सीनेशन कार्यक्रम में एक साल से कम उम्र के बच्चों को यह वैक्सीन नहीं लगाई जाएगी। जपेनीज इंसेफेलाइटिस का टीका लगने के बाद संबधित बच्चे को बुखार अथवा कोई दूसरा सेहत में बदलाव नहीं होगा। कुछ बच्चों को वैक्सीन लगने के बाद जहां टीका लगाया गया है, उस स्थान पर रेडनेस की समस्या हो सकती है।

संपादकीय

एमएसपी की जिद... कहीं किसान जल्दबाजी तो नहीं कर रहे?

केंद्र सरकार की ओर से की गई तीन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की पेशकश को किसानों द्वारा ठुकरा दिए जाने से समझौते का एक अच्छा मौका हाथ से निकलता दिख रहा है। इस मामले में किसान नेताओं का रुख जल्दबाजी से प्रेरित लग रहा है। उसमें सुधार की गुंजाइश ही नहीं, जरूरत भी है। इसकी कई ठोस वजहें गिनाई जा सकती हैं। पंजाब ही नहीं, कई अन्य राज्यों में भी खेती से जुड़ा एक बड़ा संकट यह बताया जाता है कि गिरते भू जलस्तर की वजह से सिंचाई करना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में धान, गेहूं और गन्ना जैसी फसलें जिन्हें ज्यादा पानी की जरूरत होती है, समस्या को और गंभीर बनाती हैं। चूंकि न्यूनतम समर्थन मूल्य की नीति का फायदा असल में इन्हीं फसलों पर मिलता है, इसलिए किसानों के इन फसलों से हटने की स्थिति नहीं बन रही। केंद्र सरकार ने भले ही किसान आंदोलन के दबाव में यह पेशकश की हो, लेकिन दाल, मक्का और कपास पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का प्रस्ताव इस मायने में भी गौर करने लायक है कि इनकी खेती में कम पानी की जरूरत होती है। लिहाजा, यह नीति किसानों को फायदा पहुंचाने के साथ ही आने वाले समय में पर्यावरण और खेती के हालात सुधारने के लिहाज से भी उपयोगी हो सकती है। दिलचस्प है कि किसान नेताओं ने इस पेशकश को ठुकराने का जो आधार बताया है, वही इसे ज्यादा सार्थक बनाता है। सरकार का कहना है कि इस प्रस्ताव का फायदा उन किसानों को मिलेगा, जो फसलों का पैटर्न बदलते हैं। ध्यान रहे, आज की तारीख में किसानों के सामने मक्के, दाल और कपास जैसी फसलों को अपनाने की ठोस वजह नहीं है। ऐसे में यह नीति इस कमी को दूर सकती है। बजट से जुड़ी सीमाओं को फिलहाल छोड़ दें, तब भी सभी फसलों पर MSP की गारंटी की मांग पूरी तरह अव्यावहारिक है। न्यूनतम समर्थन मूल्यों की गारंटी का तभी कोई अर्थ है जब सरकार खुद वे फसलें खरीदे वरना वह एक कागजी औपचारिकता बन कर रह जाएगी। धान और गेहूं की सरकारी खरीद को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खपाने की व्यवस्था है। अन्य फसलों के मामले में ऐसा नहीं है। किसानों ने अपना यह आंदोलन ऐसे समय शुरू किया है, जब आम चुनाव को बमुश्किल दो-तीन महीने रह गए हैं। जाहिर है, मौजूदा सरकार कोई आश्वासन दे भी देती है तो उस पर अमल चुनाव के बाद गठित नई सरकार ही करेगी। यानी सरकार बदलने की स्थिति में इन वादों के भविष्य को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं रहा जा सकता। बेहतर होगा किसान नेतृत्व अपने रुख पर दोबारा विचार की संभावनाओं को खुला रखे।

मातृभाषा दिवसः बहुराष्ट्रीयकरण के दौर में जरूरी है

मातृभाषा और बोलियों का संरक्षण, तकनीक कर रही है मदद

मातृभाषाओं की जरूरत इसलिए भी है कि वे अभिव्यक्ति की दुनिया को लोकतांत्रिक बनाती हैं, भावों को सहज संप्रेष्य बनाती हैं। उदारीकरण के दौर में जब अंग्रेजी अपनी चमक बिखेर रही है, ऐसे में सवाल उठ सकता है कि मातृभाषाओं की जरूरत क्या है? चूंकि उदारीकरण और वैश्वीकरण की भाषा के रूप में अंग्रेजी अघोषित तौर पर प्रतिनिधित्व हासिल कर चुकी है, इसलिए ऐसा स्वाभाविक भी है। खासकर अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के मौके पर इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। दुनिया भर के समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञानी मानते हैं कि शिक्षा हासिल करते वक्त बच्चा अपनी मातृभाषा में सबसे ज्यादा सहज रहता है। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं का रिश्ता व्यक्ति के दिल से ज्यादा रहता है। दरअसल, दिमाग के जरिये जो कुछ ग्रहण होता है, वह तार्किकता से पूर्ण होता है। तार्किकता मनुष्य के नजरिये को वैज्ञानिक तो बनाती है, पर वह कई बार मर्म को छू नहीं पाती। वहीं दिल से स्नेह और प्यार का रिश्ता है। मातृभाषा को इसी संदर्भ में समझें, तो वह दिमाग नहीं, दिल की भाषा है। मां के दूध में जिस तरह पौष्टिकता के साथ ही स्नेह होता है, मातृभाषाएं भी मनुष्य के लिए स्नेह और पौष्टिकता-दोनों सहज उपलब्ध करा देती हैं। नेल्सन मंडेला कहते हैं कि अगर किसी शख्स से आप उस भाषा में बात करते हैं, जो उसकी दूसरी भाषा है, जिसे वह समझ सकता है, तो वह भाषा उसके मस्तिष्क में जाती है। लेकिन अगर आप उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह सीधे उसके दिल तक पहुंच जाती है। यह दिल का रिश्ता ही है कि जब एक भाषा क्षेत्र के लोग मिलते हैं, तो वे अपनी मातृभाषा में बात करने में सहज महसूस करते हैं। दुनिया ने लोकतंत्र को शासन की बेहतर प्रणाली माना है। उदारीकरण और वैश्वीकरण की व्यवस्थाएं इसी लोकतांत्रिक समाज में उपजी हैं। लेकिन दुर्भाग्य है कि उदारीकरण कम से कम भाषाओं के लिहाज से लोकतांत्रिक नहीं हो पाया है। उसकी प्रतिनिधि भाषा अंग्रेजी है। अगर उसने किसी अन्य भाषा को इस दिशा में कुछ छूट दी है, तो वह फ्रेंच, स्विस या यूरोप की कुछ ताकतवर समुदायों की भाषाएं ही हैं। लेकिन इनमें भी अंग्रेजी का ही वर्चस्व है। कुछ लोग कह सकते हैं कि बाजार की बढ़ती ताकत के दौर में उदारीकरण अंग्रेजी के साथ स्थानीय भाषाओं को भी बढ़ावा दे रहा है। पर यह आधी सच्चाई है। अगर उदारीकरण स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दे रहा है, तो वह भाषाओं का लोकतंत्रीकरण नहीं कर रहा है, बल्कि उनके जरिये अपना ही विस्तार कर रहा है। इसका यह मतलब नहीं है कि मातृभाषाओं की जरूरत ऐसी ही रहेगी। मातृभाषाएं इसलिए जरूरी हैं, कि शख्स सहज बना रहे। यह वैज्ञानिक रूप से साबित हो चुका है कि मातृभाषा में सहज शिक्षा हासिल कर चुका विद्यार्थी दूसरी भाषाओं को कहीं अधिक प्रवीणता से सीख पाता है। मातृभाषाओं की जरूरत इसलिए भी है कि मानव समाज की विरासत और धरोहर को उन्होंने ही सहेज रखा है। धरोहरों के भाव और संदेश को किसी अन्य भाषा में अनूदित नहीं किया जा सकता। वह अनुवाद दिमागी ही होगा, उसका दिल के मर्म से संबंध नहीं होगा। मातृभाषाओं की जरूरत इसलिए भी है कि वे अभिव्यक्ति की दुनिया को लोकतांत्रिक बनाती हैं, भावों को सहज संप्रेष्य बनाती हैं। इस तरह से वे मानवता की सेवा करती हैं। लोकतंत्र में नागरिकों की सहज भागीदारी, समावेशी शिक्षा, सामाजिक और प्राकृतिक विविधता के साथ ही बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे ज्यादा जरूरी मातृभाषाएं ही हैं। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा के जरिये जहां प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है, वहीं देश की भाषाओं के आंकड़े और बुनियादी उच्चारण आदि का संग्रह भी किया जा रहा है। देश में 1,652 भाषाएं हैं और वे अपने-अपने समाजों की मातृभाषा भी हैं। गृह मंत्रालय समय-समय पर इनका सर्वेक्षण भी कराता रहता है। पिछले साल नवंबर तक मंत्रालय ने देश की 576 भाषाओं और बोलियों का मातृभाषा सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था, जिन्हें संरक्षित करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र में एक वेब संग्रह तैयार किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, इस संग्रह में तमाम भाषाओं को रखा जाएगा। इसके तहत 576 मातृभाषाओं की 'फील्ड वीडियोग्राफी' भी कराई गई है। इस परियोजना में मातृभाषाओं का 'स्पीच डाटा' भी संग्रहीत किया जा रहा है, जिसे बाद में वेबसाइट पर प्रदर्शित भी किया जाएगा।

स्मृतिः करुणा सेवा और तपस्या की त्रिवेणी आचार्य विद्यासागर, उनके बताए रास्ते पर चलकर होगा राष्ट्र कल्याण

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, आशीर्वाद हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर यह अनुभव होता था कि कैसे भारत में अध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है। आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है। भारतवर्ष की यह विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रमुख स्थान है। उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था रुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। वह जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उनकी इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वह आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वह भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डेवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे। आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। संत शिरोमणि आचार्य जी को देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वह शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, यह उनकी महान रचना मूक माटी में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। इतना ही नहीं, वह अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने। उनके योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया। मैं आने वाली पीढ़ियों से आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वह हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते थे। वह मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।' इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने एक ऐसी जीवन-शैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है, जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्व दिया। उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर भी बल दिया। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह न सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

कल्कि धाम की पोटली में बंधे भाजपा की सियासी विजय के चावल

भगवान विष्णु के दो अवतारों राम और कृष्ण के साथ अब दसवें और अंतिम अवतार कल्कि के रूप में उत्तर प्रदेश में भाजपा का नया चुनावी दांव है। सनातन धर्म में विष्णु के दस अवतारो में सबसे कम चर्चित शायद भगवान कल्कि ही हैं, क्योंकि उनका अवतार दरअसल भविष्य की कल्पना है, लेकिन यूपी की मुस्लिम बहुत संभल लोकसभा सीट पर इस बार भाजपा कल्कि धाम के सहारे भगवा फहराने का अरमान पाले है। इस अरमान के सारथी बने हैं कुछ ही दिन पहले कांग्रेस से भाजपा में आए संत राजेनता आचार्य प्रमोद कृष्णम्। प्रमोद कृष्णम् यहां भगवान कल्कि का भव्य मंदिर बनवा रहे हैं, जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। कहा जा रहा है कि अयोध्या में राम लला के मंदिर के बाद यह दूसरा आध्यात्मिक धार्मिक स्थल है, जिसकी आधार शिला प्रधानमंत्री ने रखी। इस अवसर पर मोदी ने अपने भाषण में कहा कि यह भारत के सांस्कृतिक नवजागरण का एक और क्षण है। उन्होंने कहा कि भगवान कल्कि कालचक्र के परिवर्तन के प्रेरणा स्रोत हैं। शायद इसलिए कल्कि धाम एक ऐसा धाम होने जा रहा है जो उन भगवान को समर्पित है जिनका अभी अवतार होना बाकी है। हजारों वर्ष की आस्था के लिए अभी से उसकी तैयारी यानी हम लोग भविष्य को लेकर कितने तैयार होकर रहने वाले लोग हैं। प्रमोद जी को कल्कि मंदिर के लिए काफी लड़ाई लड़नी पड़ी। कोर्ट के चक्कर लगाने पड़े। कहा गया कि मंदिर बनाने से शांति व्यवस्था बिगड़ जाएगी। आज हमारी सरकार में प्रमोद कृष्णम जी निश्चिंत होकर इस काम को शुरू कर पाए हैं। मंदिर शिलान्यास के मौके पर भी प्रधानमंत्री राजनीतिक कटाक्ष करने से नहीं चूके। उन्होंने प्रमोद कृष्णम् के स्वागत भाषण का हवाला देते हुए कहा कि अच्छा हुआ आपने कुछ दिया नहीं। वरना जमाना इतना बदल गया है कि आज के युग में सुदामा श्री कृष्ण को एक पोटली में चावल देते तो वीडियो निकल जाता, सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल लग जाती और जजमेंट आता कि भगवान कृष्ण को भ्रष्टाचार में कुछ दिया गया और भगवान कृष्ण भ्रष्टाचार कर रहे थे। इसमें हम क्यों फंसें। प्रधानमंत्री ने जो कहा उसका राजनीतिक आशय यही है कि कल्कि मंदिर की पोटली में भाजपा की राजनीतिक विजय के चावल बंधे हुए हैं। पहले भगवान कल्कि की बात। गरूड पुराण के अनुसार कल्कि भगवान विष्णु के दसवे और अंतिम अवतार माने गए हैं, जिनका अवतरण कलियुग के अंतिम चरण में होना है। उनका अवतरण भले ही भविष्य में होना है, लेकिन उनकी जीवन कुंडली पुराणों में पहले से अतीत की तरह वर्णित है। कल्कि पुराण के अनुसार भगवान कल्कि का जन्म उत्तर भारत के संभल ग्राम में एक ब्राह्मण परिवार में पिता विष्णुयशस व माता सुमति के यहां हुआ।

गले में नाग और मस्तक पर चंद्र लगाकर सजे बाबा महाकाल, गर्भगृह में मां पार्वती का विशेष

महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज माघ शुक्ल पक्ष की द्वादशी पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह मे स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल के गले में नाग और मस्तक पर चंद्र से श्रंगार कर रुद्राक्ष और गुलाब की माला पहनाई गई। गर्भगृह में विराजित माता पार्वती का भी श्रंगार किया गया। श्रंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित कर फल व मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बुध प्रदोष व्रत आज, भगवान भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए करें ये उपाय

फरवरी का दूसरा प्रदोष व्रत 21 फरवरी, बुधवार को है। पंचांग के अनुसार माघ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 21 फरवरी को सुबह 11 बजकर 27 मिनट पर हो रही है। इसका समापन 22 फरवरी 2024 को दोपहर 01 बजकर 21 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का बहुत ही ज्यादा महत्व है। इस दिन साधक भगवान भोलेनाथ के निमित्त व्रत रखते हैं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों को सुख-शांति व समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। फरवरी का दूसरा प्रदोष व्रत 21 फरवरी, बुधवार को है। पंचांग के अनुसार माघ माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 21 फरवरी को सुबह 11 बजकर 27 मिनट पर हो रही है। इसका समापन 22 फरवरी 2024 को दोपहर 01 बजकर 21 मिनट पर होगा। शिव पूजा समय शाम 06 बजकर 15 मिनट से रात 08 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। जब त्रयोदशी तिथि बुधवार को होती है तो उसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाता है। इस दिन व्रत रखकर पूजा करने से शिव जी के साथ ही भगवान गणेश की भी कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि इस व्रत को करने से लम्बी आयु का वरदान प्राप्त होता

सिंगल कॉलम

विद्या बालन के नाम पर बने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, अभिनेत्री ने ठगों के खिलाफ दर्ज कराया मामला

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन इन दिनों भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट में अभिनेत्री की वापसी की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा हाल ही में विद्या बालन को लेकर एक खबर सामने आ रही है। विद्या के नाम पर फर्जी ईमेल, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप अकाउंट बनाने का मामला सामना आया है। अभिनेत्री ने मामले में खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। काम के झूठे वादे करके कर रहा था विद्या बालन के फर्जी अकाउंट से जालसाज ने इंडस्ट्री में काम का अवसर दिलाने के झूठे वादे के साथ लोगों से संपर्क किया है और इसी बहाने वो लोगों से पैसे मांग रहा। अभिनेत्री ने दावा किया कि उन्हें इस बात का पता तब चला जब डिजाइनर प्रणय ने उन्हें व्हाट्सएप पर उनका एक मैसेज मिलने की बात की, जिसमें ये कहा गया है कि वह विद्या हैं। साथ ही काम के अवसरों का आश्वासन भी दिया गया था। अभिनेत्री ने स्टाइलिश को बताया कि ये उनका नंबर नहीं है। कई लोगों ने विद्या को दी मामले की सूचना प्रणय ने मामले में अभिनेत्री को सचेत किया, इसके बाद विद्या बालन को पता चला कि अज्ञात व्यक्ति इंडस्ट्री में अन्य लोगों के साथ-साथ आपराधिक गतिविधियों के लिए उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा था। मामले का पता चलने के बाद विद्या ने खार पुलिस स्टेशन में जालसाजों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। 17 फरवरी से 19 फरवरी के बीच कई लोगों ने अभिनेत्री को इस बात की सूचना दी कि जालसाज ने उनका फर्जी इंस्टाग्राम और फर्जी जीमेल अकाउंट बनाया है।

श्री राम-सीता पर किए ट्वीट को लेकर विवादों में फंसे विक्रांत... वकील के साथ अभिनेता की चैट वायरल

साल 2023 में आई 12वीं फेल फिल्म ने अभिनेता विक्रांत मैसी के करियर को एक नया मोड़ दिया है। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई की बल्कि हर वर्ग के दर्शकों से इसे प्यार और सराहना मिली। फिल्म में अपने किरदार के लिए विक्रांत ने फिल्मफेयर अवार्ड भी जीता। हालांकि, तमाम लोकप्रियता के बाद अब अभिनेता विवादों में फंस गए हैं। अभिनेता की एक चैट वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने श्री राम-सीता को लेकर एक विवादित ट्वीट किया था।

विक्रांत मैसी को दर्शकों की सराहना के बाद अब उनके गुस्से का भी सामना करना पड़ रहा है। अभिनेता की साल 2018 की एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने श्री राम और सीता को लेकर एक विवादित ट्वीट किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए माफी मांगी थी, लेकिन माफी मांगने से कुछ घंटे पहले मुंबई के एक वकील के साथ अभिनेता की बातचीत के स्क्रीनशॉट अब इंटरनेट पर सामने आए हैं।

गौरतलब है कि पिछले दिनों यह विवाद तब शुरू हुआ है, जब विक्रांत के पुराने ट्वीट दर्शकों के सामने आए हैं। इस ट्वीट में अभिनेता ने देवी सीता का एक कार्टून चित्र साझा किया, जिसमें उन्होंने भगवान राम से कहा था कि उन्हें खुशी है कि उनका अपहरण रावण ने किया था, न कि उनके भक्तों ने।इस पोस्ट के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, आधे पके आलू और आधे पके राष्ट्रवादी केवल पेट में दर्द पैदा करेंगे। अभिनेता के इस पुराने पोस्ट के वायरल होते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और लोगों ने धर्म का मजाक उड़ाने पर अभिनेता को जमकर ट्रोल करना भी शुरू कर दिया। यही नहीं, इस ट्वीट के बाद अब मुंबई के एक वकील के साथ विक्रांत की चैट भी तेजी से वायरल हो रही है। महाराष्ट्र भाजपा के सोशल मीडिया कानूनी सलाहकार विभाग के प्रमुख वकील आशुतोष दुबे ने विक्रांत को एक संदेश भेजा था कि उनकी वायरल ट्वीट लोगों को काफी निराश कर रही है। इसके जवाब में अभिनेता ने कहा, ट्वीट के मतलब को गलत समझा गया और इसे धर्म के साथ जोड़ा जा रहा है, जो कि बहुत ही गलत है। अभिनेता ने जवाब दिया, आप इसे विषय से बाहर कर रहे हैं। इसका हिंदू धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन हां, मैं मानता हूं कि इसे आसानी से गलत समझा जा सकता है और ऐसा लगता है कि ऐसा ही हुआ है।

कम कीमत पर सिनेमाघरों में दर्शकों को मिलेगा आर्टिकल 370- क्रैक का मजा

अगर आप भी हैं सिनेमा देखने के शौकीन तो आपके लिए भी पीवीआर एक खुशखबरी लेकर आया है। कोरोना काल के दौरान जब सिनेमाहॉल बंद पड़े थे और दर्शक सिनेमा देखने के लिए घर से बाहर नहीं निकलना चाहते थे तब थियेटर्स के मालिक कई योजनाएं लेकर आए थे। सिनेमा लवर्स डे उन्हीं योजनाओं में से एक योजना है। आइए जानते हैं इस दिन का फायदा दर्शक कब और कैसे उठा सकते हैं। किस दिन मनाया जायेगा सिनेमा लवर्स डे पीवीआर सिनेमा के शौकीनों के लिए एक खास योजना लेकर आया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल 23 फरवरी को सिनेमा लवर्स डे के रूप में पीवीआर मनाने जा रहा है। इस दिन दर्शक अपनी पसंद की किसी भी फिल्म को बेहद कम दाम में देख सकते हैं। सूत्रों की मानें तो 23 फरवरी को दर्शक पीवीआर आइनॉक्स के किसी भी सिनेमाहॉल में जाकर इस योजना का फायदा उठा सकते हैं।

सीसीएल के लिए सोनू सूद ने भी ठोक दी ताल, सितारों की क्रिकेट लीग में अब मचेगा असली धमाल

सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग (सीसीएल) में अभिनेता सोनू सूद पंजाब की टीम पंजाब दे शेर की कमान संभालेंगे। सोनू सूद मनाते हैं कि यह खेल उनके लिए फिल्मों से छुट्टियां लेकर खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने का सुनहरा अवसर होता है। सोनू सूद इस बात से पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि सीसीएल में इस बार अपनी टीम के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके जीत हासिल करेंगे।

अभिनेता और पंजाब दे शेर के कप्तान सोनू सूद ने अपनी टीम की तैयारियों के बारे में बात की। वह कहते हैं, इस सीजन से पहले हमने एक साथ बहुत अभ्यास किया है और हमारे अभ्यास में जो प्रगति देखने को मिली है, जिस तरह से हमारे तेज गेंदबाजों प्रदर्शन किया, उससे मैं खुश हूं। मैं इस बात से आश्वत हूं कि हमारे पास एक मजबूत टीम है और हम आगे लंबी दौड़ लगा सकते हैं। इस सीजन में हम निश्चित रूप से विरोधियों को कड़ी चुनौती देंगे। और, मुझे यकीन है कि इस सीजन में हम जीत सकते हैं।

सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग की शुरुआत 23 फरवरी से शारजाह में हो रही है और 17 मार्च को फाइनल मैच विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। साल 2023 में तेलुगु वारियर्स और भोजपुरी दबंग्स फाइनल में पहुंची थी। तेलुगु वारियर्स ने भोजपुरी दबंगों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। 2023 सीसीएल के लिए एक यादगार साल था और तेलुगु वारियर्स ने चौथी बार सीसीएल जीतकर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया।

रकुल-जैकी से पहले इन सितारों ने गोवा में की शादी लिस्ट में कई मशहूर अभिनेत्रियों के नाम शामिल

हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों 21 फरवरी को सात फेरे लेने वाले हैं। उन्होंने अपनी शादी पहले विदेश में प्लान की थी, लेकिन अब दोनों ने गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग का फैसला किया है। इस कपल से पहले कई सेलेब्स भी महाराष्ट्र के इस पड़ोसी राज्य में शादी कर चुके हैं। आइए जानते हैं इन सितारों के बारे में...

हेजल कीच-युवराज सिंह

युवराज सिंह और हेजल कीच ने साल 2016 में शादी की थी। चंडीगढ़ में सिख रीति-रिवाजों के अनुसार गुरुद्वारे में शादी के बाद दोनों ने गोवा में हिंदू-बिहारी रीति-रिवाजों के साथ शादी की। यह उस साल की सबसे ज्यादा चर्चित शादियों में से एक थी। दोनों की वेडिंग की तस्वीरों को लोगों ने खूब पसंद किया था।

लारा दत्ता-महेश भूपति

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा लारा दत्ता ने टेनिस स्टार महेश भूपति से 20 फरवरी 2011 को शादी की थी। दोनों की शादी गोवा के सनसेट प्वाइंट पर हुई, जहां से हिंद महासागर का नजारा दिखता है। अपनी शादी में लारा ने सफेद गाउन पहना था, जबकि महेश काले टक्सीडो में काफी हैंडसम लग रहे थे।

मौनी रॉय- सूरज नांबियार

टीवी और फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी अदाओं से लाखों दिलों पर राज करती हैं। साल 2022 में उन्होंने सूरज नांबियार के साथ शादी कर ली थी। दोनों ने दो साल से अधिक समय तक एक दूसरे को डेट करने के बाद यह फैसला लिया था। 27 जनवरी 2022 को दोनों ने गोवा में सात फेरे लिए। अपनी शादी में मौनी ने लाल बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनी थी। वहीं, कुर्ते में सूरज काफी डैशिंग लग रहे थे।

सामंथा-नागा चैतन्या

सामंथा रुथ प्रभु दक्षिण भारतीय फिल्मों की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं। फैंस को उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। साल 2017 में उन्होंने नागार्जुन के बेटे और अभिनेता नागा चैतन्य से गोवा में शादी की थी। दोनों की वेडिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई थी। हालांकि, कुछ ही समय बाद निजी कारणों से दोनों ने अपनी राहें जुदा कर लीं।

60 करोड़ के पार पहुंची तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, फाइटर-लाल सलाम का हाल

शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है और दर्शकों का खूब मनोरंजन भी कर रही है। इस फिल्म के साथ रजनीकांत की लाल सलाम ने भी थिएटर्स में एंट्री की थी। वहीं, जनवरी के महीने में रिलीज हुई फाइटर अब भी थिएटर में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। तो आइए जानते हैं कि मंगलवार को कैसा रहा इन फिल्मों का हाल...

फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में शाहिद कपूर और कृति सेनन की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म में कृति सेनन ने रोबोट का किरदार निभाया है। 50 करोड़ की लागत से बनी यह फिल्म पहले हफ्ते ठीक ठाक बिजनेस करने में सफल रही है। हालांकि, बाद में फिल्म की कमाई में गिरावट भी दर्ज की गई है।

फिल्म ने 12वें दिन 2.10 करोड़ रुपये की कमाई की है, फिल्म का कुल कलेक्शन 62.55 करोड़ रुपये हो गया है अब देखना है कि क्या फिल्म अपनी रफ्तार पकड़ने में कामयाब होती है या नहीं। वहीं, अब आगामी हफ्तों में कई बड़ी फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने वाली है। ऐसे में फिल्म की कमाई पर असर पड़ सकता है।

फाइटर के साथ ऋतिक रोशन ने अपने फैंस को एक नया तोहफा दिया है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म की रिलीज दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म ने 27वें दिन 70 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म ने अब तक 207.70 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

लाल सलाम ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाई थी, लेकिन अब फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में भीड़ नहीं उमड़ पा रही है। इस फिल्म में रजनीकांत कैमियो रोल में नजर आए हैं। फिल्म ने 12वें दिन 19 लाख रुपये की कमाई की है, इस तरह फिल्म ने अब तक 16.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है

बेस्ट एक्टर बन भावुक किंग खान बोले,...मुझे मिलेगा ही नहीं DPIFF में इन सितारों को भी सम्मान

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान को फिल्म पठान के लिए बेस्ट एक्टर अवार्ड मिला है। दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-2024 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब जीतने पर किंग खान ने खुशी जताई। सम्मान मिलने के बाद शाहरुख ने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे यह सम्मान कभी नहीं मिलेगा। शाहरुख ने मंच से ही जवान की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि 'जवान' पिछले साल सात सितंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी।

समारोह में सम्मान प्राप्त कर शाहरुख ने मंच से जूरी को धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि मुझे सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुनने के लिए पूरी जूरी को बहुत-बहुत धन्यवाद। शाहरुख ने कहा कि बेस्ट एक्टर का पुरस्कार जीते हुए मुझे कई साल बीत गए थे। मुझे ऐसा लगने लगा था कि यह सम्मान मुझे अब कभी नहीं मिलेगा लेकिन अब यह पुरस्कार प्राप्त करने पर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पुरस्कार बहुत पसंद हैं। मैं थोड़ा लालची हूं।

मैं कड़ी मेहनत करता रहूंगा

शाहरुख ने आगे कहा कि मुझे बहुत खुशी मिल रही है कि लोग मेरे काम को अब भी पहचान रहे हैं। एक फिल्म में सिर्फ कलाकार का काम अहम नहीं होता। एक फिल्म बहुत सारे लोगों की कड़ी मेहनत से बनती है। एक कलाकार आस-पास के लोगों से सीखकर कलाकार बनाता है। इसलिए मझे यह पुरस्कार दिलाने में बहुत सारे लोगों का योगदान है। मैं वादा करता हूं कि मैं कड़ी मेहनत करता रहूंगा। मैं भारत और विदेश में रहने वाले लोगों का मनोरंजन करता रहूंगा फिर चाहे मुझे इसके लिए नाचना हो, गिरना हो, उड़ना हो, रोमांस करना हो, बुरा आदमी बनना हो, अच्छा आदमी बनना हो इंशाअल्लाह मैं कड़ी मेहनत करूंगा। इन सितारों को भी मिला पुरस्कार वहीं, जवान में शाहरुख के साथ नजर आईं अभिनेत्री नयनतारा को उनके कौशल के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला है। सुपरस्टार शाहरुख खान ने नयनतारा को पुरस्कार प्रदान किया। 2023 की सुपरहिट फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा को समारोह में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के खिताब से नवाजा गया है। इसके अलावा, 2024 में बड़े पर्दे पर आई फिल्म सैम बहादुर में पूर्व सैन्य प्रमुख का किरदार निभाने के लिए विक्की कौशल को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स) का पुरस्कार मिला है।

ब्याह के बाद सुपरस्टार बनी पहली हीरोइन... इसलिए मारा संजीव कुमार को थप्पड़, और 'बंदिनी' के समय...

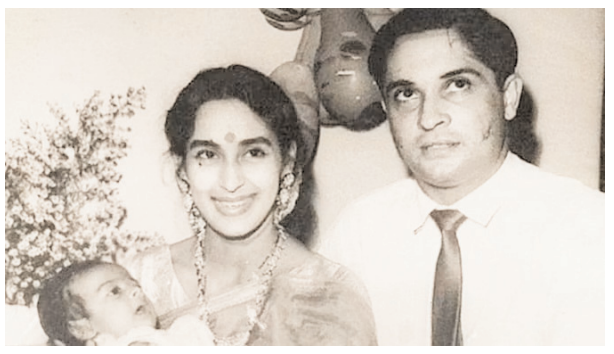

वसंत ऋतु वैसे तो सिनेमा के लिए सदाबहार रही है, लेकिन इसी ऋतु में हिंदी सिनेमा के शौकीनो को बेहद सौम्य, सुशील और सुंदर अभिनेत्री नूतन भी खूब याद आती हैं। जो काम आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर अब कर रही हैं, विवाहिता होने के बाद भी हिट हिंदी फिल्में देने का काम वह अब से कोई 60 साल से भी पहले कर चुकी थीं। उनकी पुण्यतिथि पर आइए जानते नूतन से जुड़ी 10 रोचक कहानियां..

'सीमा' ने तोड़ीं लोकप्रियता की सरहदें

शोभना समर्थ की बिटिया नूतन की जब शुरूआती फिल्में न चलीं तो मां ने बेटी को आगे की शिक्षा के लिए स्विटरलैंड भेज दिया। माथे से चिंता हटी और खान-पान, रहन-सहन बदला तो नूतन ने भी एक नूतन रूप धरा। सेहतमंद बिटिया की फोटो वापस मां के पास डाक से पहुंची तो शोभना समर्थ तो मानों बिटिया को कली से फूल सा खिलता देख बाग बाग ही हो गईं। इस नए रूप में दर्शकों ने अभिनेत्री नूतन को फिल्म 'सीमा' में देखा और इसी फिल्म के लिए नूतन ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अपना पहला फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता।

पहली ब्याहता सुपरस्टार

भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से जिस साल 1959 में नूतन का ब्याह हुआ, उसी साल उन्होंने दो सुपरहिट फिल्में दीं, राज कपूर की 'अनाड़ी' और बिमल रॉय की 'सुजाता'। बिमल रॉय की ही एक और फिल्म 'बंदिनी' ने नूतन के अभिनय को वे ऊंचाइयां दीं कि आज के निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी नायिकाओं को अब भी नूतन की तीनों फिल्में 'सीमा', 'सुजाता' और 'बंदिनी' देखने की सलाह देते हैं। शिकार पर खूब दिया पति का साथ नूतन और उनके पति रजनीश बहल की खूब पटी। वैसे तो समंदर की लहरों पर ड्यूटी होने के चलते रजनीश अधिकतर बाहर ही रहते लेकिन जब भी दोनों को साथ मौका मिलता, दोनों खूब अछा समय बिताते और वक्त मिलता तो दोनों साथ शिकार करने भी जाते। नूतन के बेटे अभिनेता मोहनीश बहल के पास अपनी मां का यादों का तस्वीरों की शक्ल में अनमोल पिटारा है।

अनारकली की भूमिका ठुकरा दी अभिनेत्री नूतन ने पहली बार बाल कलाकार के तौर पर साल 1945 में अपने पिता की फिल्म नल दमयंती से अपने करियर की शुरुआत की। जब वह 14 वर्ष की हुई तब निर्माता-निर्देशक के आसिफ ने फिल्म मुगल-ए-आजम की अनारकली की भूमिका के लिए नूतन से संपर्क किया था, लेकिन नूतन ने उस फिल्म में इसलिए काम करने से इंकार कर दिया, क्योंकि वह खुद को खूबसूरत नहीं मानती थी।

झाबुआ में पी.एम. - सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रारम्भ

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ

झाबुआ, केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रारंभ कर देशभर के करीब एक करोड़ घरों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा झाबुआ एवं अलीराजपुर जिलों के साथ ही कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के अधिक से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत 02 किलोवॉट क्षमता तक के सोलर संयंत्र पर 30 हजार रुपये प्रतिकिलो वाट की सब्सिडी उपभोक्ताओं को मिलेगी एवं 30 हजार रूपये प्रति किलोवाट की राशि का भुगतान उपभोक्ता को करना है। इसी प्रकार तीसरे किलोवाट के रूपये 18 हजार की सब्सिडी निर्धारित है। इस तरह 03 किलोवाट क्षमता तक के संयंत्र के लिए अधिकतम 78 हजार रूपये की सब्सिडी मिलेगी तथा कुल रूपये 102000 की राशि का भुगतान आवेदकों को करना होगा। 03 किलोवाट से अधिक की क्षमता वाले कनेक्शनों हेतु भी सब्सिडी की अधिकतम सीमा 78000/- रूपये ही रहेगी।

इस योजना का लाभ ऐसे परिसर जिन पर उपभोक्ता का मालिकाना हक हो और उन्हें विगत 06 माह की अवधि में से किसी भी एक माह के बिल की प्रति प्रस्तुत करने पर प्राप्त होगा। कनेक्शन हेतु आवेदन पत्र मय गैर-वापसी शुल्क 1000/- के भुगतान सहित नेट बैंकिंग / केडिट कार्ड/डेबिट कार्ड के माध्यम से संबद्ध पोर्टल https://pmsuryaghar.gov.in पर करना होगा। आवेदक को आवेदन पत्र के संलग्न सूची में से सोलर रूफटॉफ पेनल क्रय करने के लिए किसी भी एक पंजीकृत विक्रेता के नाम का चयन करना होगा एवं आवेदक तथा सोलर रूफटॉफ पेनल के पंजीकृत विक्रेता के मध्य अनुबंध निष्पादित किया जायेगा एवं निष्पादित अनुबंध अनुसार आवेदक तथा सोलर रूफटॉफ पेनल के पंजीकृत विक्रेता के मध्य उत्पन्न किसी भी तरह के कानूनी विवादों का निपटारा उन्हें स्वयं करना होगा। तत्संबंध में विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री डी.एस. चौहान ने बताया कि शासन / कंपनी की ओर से लागू इस योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ दिलाने के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के माध्यम से पर्यावरणीय हितों की रक्षा करना भी है। अतः झाबुआ एवं अलीराजपुर जिलो के अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ लेना चाहिये। योजना की विस्तृत जानकारी https://pmsuryaghar.gov.in पर उपलब्ध है एवं संबद्ध विद्युत वितरण कंपनी के स्थानीय कार्यालय से भी संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर को द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ

झाबुआ, कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा मंगलवार को प्रातः11 बजे आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में आवेदक शिवा पिता दीपक निनामा निवासी बामनिया(नारेलारोड़) तहसील पेटलावद द्वारा बताया कि पत्नी की गंभीर बिमारी के चलते आर्थिक सहायता राशि स्वीक्रत के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदिका दीतुबाई पति मुकेश डामोर निवासी ग्राम बामनिया तहसील पेटलावद ने बताया कि उसके पति मुकेश पिता शंभू डामोर के नाम से मकान आया था उसके पति की मृत्यु हो चुकी है जिसके कारण वह मकान दीतुबाई पति मुकेश के नाम पर करवाने के सम्बन्ध में आवेदन

प्रस्तुत किया। आवेदक सुरेश पिता शंकरलाल महेश्वरी निवासी झाबुआ द्वारा बताया कि ग्राम उदयपुरिया जिला झाबुआ में जमीन क्रय की थी जिसका नामांतरण आदेश होने के बावजूद नाम खसरा रिकॉर्ड में दर्ज करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। प्रार्थी गोपीचंद पिता मेघराज सिंधी निवासी मेघनगर द्वारा बताया कि उसकी पत्नी के मृत्यु हो जाने के कारण उसको आर्थिक सहायता राशि दिलवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदिका सुका पति राजेश डामोर निवासी ग्राम पंचायत के ग्राम मण्डली लालजी जिला झाबुआ के द्वारा बताया कि वह गांगा फलिया में आशाकार्यकर्त्ता के पद पर पदस्थ है एवं एएनएम स्टाफ की मेडम द्वारा गाली गलोच करने और ड्यूटी नहीं करने देने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक समस्त वार्ड वासी एवं पंच रितेश सिंगादिया वार्ड नं 13 निवासी ग्राम बेडावली तहसील मेघनगर द्वारा बताया कि नल जल योजना के तहत कनेक्शन दिए है लेकिन पानी नहीं देने के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया। इस प्रकार जनसुनवाई में कुल 42 आवेदन आए। कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एस.एस.मुजाल्दा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री सुश्री भूरिया ने किया साइबर सखी प्रशिक्षण का शुभारंभ,

बेटियों को दी जायेगी साइबर सुरक्षा

झाबुआ, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने आज यहां साइबर सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि पारिवारिक सहयोग, परस्पर संवाद और परामर्श से बेटियों को साइबर अपराध से बचाया सकता है। उन्होने कहा कि बच्चों को साइबर अपराध के तौर तरीकों के बारे में निरंतर जानकारी देकर उनको जागरूक बनायें। उन्होने कहा कि बेटियों को साइबर अपराध से बचाव के लिये पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को जागरूक करने में साइबर सखी कार्यक्रम सक्रिय भूमिका निभायेगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में साइबर सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि बदलते हुए सामाजिक एवं पारिवारिक परिवेश में एकल परिवार का प्रचलन बढ़ रहा है।

बच्चों को परिजनों का मार्गदर्शन मिलना जरूरी है। सबको मिलकर परिवार एवं समाज का माहौल इस प्रकार बनाना होगा जिसमें बच्चे अपने अभिभावकों से मित्रवत व्यवहार करें और बेझिझक अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि साइबर सखी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा बच्चियों को जागरूक करने में सरकार हर संभव सहायता करेगी। सुश्री भूरिया द्वारा साइबर सखी पोस्टर का विमोचन किया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा शाखा डॉ. वीरेन्द्र मिश्रा ने मानव तस्करी और दुर्व्यापार तथा बचाव विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने परामर्श दिया कि सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी सोच समझकर साझा करें क्योंकि उसका कहीं भी दुरूपयोग हो सकता है। अहान फाउन्डेशन की फाउण्डर श्रीमती सोनाली पाटनकर ने साइबर सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अहान फाउण्डेशन द्वारा बच्चियों को साइबर अपराध से सुरक्षा के लिये ज्ञान संवर्धन एवं मानव तस्करी और दुर्व्यापार के प्रति जागरूकता के लिये साइबर सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। प्रदेश के महाविद्यालयों में बच्चियों को साइबर अपराध से बचने के लिये सुरक्षा राजदूत के रूप में सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाया जायेगा।कार्यक्रम में प्रबंध संचालक श्रीमती निधि निवेदिता, राज्य महिला आयोग की सचिव तृप्ति त्रिपाठी एवं उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के डायरेक्टर श्री महिपाल यादव, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

शासकीय कन्या महाविद्यालय झाबुआ की छात्राओं को माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन के बारे में बताया गया

सुरेश मुलेवा । सिटी चीफ

झाबुआ, शासकीय कन्या महाविद्यालय झाबुआ ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब के तहत जिले की मिशन महिमा कार्यक्रम के अंतर्गत माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया था। कार्यशाला में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में कॉलेज के शिक्षक भी शामिल हुए। इस कार्यशाला में उन्हें किशोरावस्था, शरीर रचना, माहवारी चक्र, अनियमितता, दर्द, माहवारी स्वच्छता, माहवारी को सुरक्षित तरीके से प्रबंधित करने के लिए माहवारी उत्पाद एवं भावनाओं के बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने माहवारी स्वास्थ्य उत्पादों के बारे में जानने के लिए बहुत उत्सुकता दिखाई। उन्होंने माहवारी स्वास्थ्य चक्र, माहवारी धर्म उत्पादों और स्वच्छता से संबंधित प्रश्न पूछे। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को अपने शरीर के बारे में अधिक आश्वस्त करना और माहवारी को गरिमा के साथ प्रबंधित करने में सक्षम करना था।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के मार्गदर्शन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती रेखा राठौर के निर्देशन में चल रहा जिला कार्यक्रम मिशन महिमा किशोरियों और युवा महिलाओं की माहवारी स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन संबंधित जानकारी को बराने पर ध्यान केंद्रित करते है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। इसके साथ ही, यह स्कूल,अन्य संस्थानों और समुदायों में माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के पर आधारित संरचना को मजबूत और विस्तारित करने के लिए सक्षम वातावरण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में कॉलेज प्रशासन को दी चेतावनी एबीवीपी जिला संयोजक निलेश गणावा ने

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ झाबुआ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झाबुआ द्वारा आज कॉलेज के विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर प्राचार्य कक्ष में धरना प्रदर्शन किया जिसमें विद्यार्थियों की स्पेशल एटीकेटी पर एटीकेटी आने पर विद्यार्थी ने विरोध किया जिसमें विद्यार्थियों का कहना है कि विद्यार्थियों की कॉपी का सही मूल्यांकन नहीं हुआ, वह मूल्यांकन सही तरीके से किया जाए और विद्यार्थियों को पुनः एग्जाम दिलाई जाए या फिर कॉपियां दोबारा चेक की जाए और जितने विद्यार्थी ड्ढह्यष होल्ड मैं है उनका भी निराकरण जल्दी से जल्दी किया जाए क्योंकि ऐसे विद्यार्थियों का साल खराब न हो । इन सभी मांगों को 25 तारिक तक नहीं करने पर विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन एवं अनिश्चित कालीन प्रदर्शन करेगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं कॉलेज प्रशासन की रहेगी । कार्यकर्ता उपस्थित रहे एबीवीपी जिला संयोजक निलेश जी गणावा ,जिला कला मंच प्रमुख खुशी वसुनिया , पीजी कॉलेज अध्यक्ष अजय भूरिया , कल्पना हटीला , नरेश आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

बड़वानी में ट्रक और बस की टक्कर, एक यात्री की मौत, 10 घायल, चार की हालत गंभीर

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के पानसेमल थाना क्षेत्र में देर रात निजी यात्री बस और ट्रक में टक्कर हो गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 10 घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायलों को इलाज के लिए इंदौर रेफर कर दिया गया है। सामान्य घायलों का इलाज पानसेमल के अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार राजमंदिर ट्रेवल्स की बस क्रमांक स्क्क0क्क809 देर शाम इंदौर से खेतिया जाने को निकली थी। रास्ते में पहले एक बाइक की ट्रक से टक्कर हुई और फिर पीछे से आ रही बस ट्रक से टकरा गई। हादसा देर रात बड़वानी के पानसेमल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव दोंदवाड़ा और मोयदा के बीच हुआ। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार और अफरा तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस और पानसेमल थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची 108

एंबुलेंस की सहायता से घायलों को पानसेमल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में 10 यात्री घायल हुए हैं, जिनके सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। इनमें से चार गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया गया है। वहीं, हादसे में 28 वर्षीय युवक सुनील पिता दूर सिंह की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय विधायक श्याम राव बर्डे सहित नगर परिषद के अध्यक्ष और पानसेमल क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि पानसेमल अस्पताल में पहुंचे, और घायलों की मदद की। पानसेमल थाना पुलिस ने केस दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बस में सफर कर रहीं घायल सलोनी राणा ने बताया कि बस काफी तेज रफ्तार से चल रही थी, इस दौरान अचानक से ड्राइवर ने ब्रेक लगाया। लेकिन, बस ट्रक से टकरा गई।

सराफा चौपाटी के लिए गठित समिति द्वारा सराफा व्यापारियों के साथ बैठक का आयोजन, स्थान शिफट करने पर भी हुई चर्चा

इंदौरः सराफा संघके रहवासी विगत कुछ वर्षों से रात्रिकालीन सराफा चौपाटी के कारण बहुत परेशान हो रहे है. पिछले कुछ समय से रात्रि कालीन सराफा चौपाटी में असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध चोपाटी की दुकानें संचालित की जा रही है और ये चोपाटी अब दिन प्रतिदिन भयावह रूप लेती जा रही हैं. 4-5 वर्षों के पूर्व सराफा चौपाटी में गिनती की दुकानें लगती थी, ये चौपाटी की दुकाने किसी भी तरह से सरकारी रोड का अतिक्रमण नहीं करती थी और अपनी सिमा में लगती थी और बिना किसी को परेशान किये लगती थी. पर पिछले 4-5 वर्षों से ये दुकानें सराफा बाजार में हर कही खुलती जा रही है और अवैध तरीके से लगती जा रही है. इन अवैध दुकानों के कारण रहवासियों को निम्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

रात्रि कालीन छोपाटी में विगत वर्षों से अवैध तरीके से दुकानें खुलती जा रही है जो की बीच सड़क पर ही खोली जा रही है. ऐसे में रहवासियों को आपातकालीन समय (फायर इमरजेंसी, एम्बुलेंस इमरजेंसी) में कहर निकलना बहुत कठिन हो रहा है.

चौपाटी में आगजनी की घटनाएं बढ़ती जा रही है, गैस के सिलिंडर भी बहुत ज्यादा है एवं कोयले की चूल्हो (सिगड़ी) का उपयोग भी बढ़ता जा रहा है, कोयले की चूल्हों से दिन ब दिन वायु प्रदूषण हो रहा है और इसका धुआँ पुरे बाजार में फैला रहता है, खुली हवा में थोड़ी देर खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है. कोयले के चूल्हों से चिंगारियां भी बहुत निकलती है. वायु का प्रदूषण गैस चूल्हों के अलावा चौपाटी द्वारा तली हुई चीजों से भी हो रहा है, काफी सारे खाद्य प्रदार्थ बड़ी मात्रा में तले जाते हैं जिससे कि उनसे होने वाले धुएं का निकास कही भी नहीं है.. ये सारा धुआँ भी बाजार में फैल जाता है, इनसे रहवासियों के बुजुर्ग सदस्यों को श्वसन संबंधी परेशानियां हो रही है. चौपाटी में बहुत सारे ठेला संचालक जोर जोर से गाने बजाते रहते हैं, इतने जोर जोर से गाने बजते हैं की रात को सोना भी मुश्किल हो जाता है. माननीय उच्च न्यायलय (सुप्रीम कोर्ट, के निर्देशों के अनुसार रात को 11 बजे बाद सार्वजानिक स्थानों पर किसी भी तरह का जोर जोर से ध्वनि यंत्र नहीं बेजाणु जा सकता है) के निर्देशो का खुलकर उल्लंघन किया जाता है.

यहाँ के रहवासियों के बच्चो की शोरगुल के कारण पढाई भी नहीं हो पाती है, रातभर के शोर से छोटे बच्चों की नींद भी नहीं हो पाती है और बच्चे भी मानसिक अवस्था से चिढ़ चिढ़े हो रहे है. रविवार जैसे छुट्टी के दिनों में एवं अन्य छुट्टी के दिनों में भी ये चोपाटी दोपहर में 3-4 बजे से ही शुरू होकर रात के 3 बजे तक खुली रहती है, याने की छुट्टी के दिनों में रात को तो परेशान हो ही रहे हैं. दिन में भी बहुत परेशान हो रहे है. चौपाटी चलाने वाले लोग ग्राहकों को बिठाने के लिए कुर्सियों और स्टूल को रास्ते के बीच में ही लगा देते हैं, साथ साथ ही साथ आने जाने का पूरा रास्ता बंद कर देते है, इस कारण से रहवासियों के महिलाओं और बुजुर्गो को खुद के घर से बहार निकलने में ही परेशानी होती है, ठेला संचालक को बोलने पर है रहवासिओ को धमकाने लगते हैं, एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करते है. बारिश के दिनों में चोपाटी लगाने वाले लोग रहवासियों की इमारतों में घुसकर ग्राहकों को बैठते है, ऐसे में ग्राहक कहीं भी गंदगी फैलाते है, इमारतों में किसी भी जगह पेशाब करते है, दोने और प्लेट फेक देते हैं. रहवासी अपने स्वयं के वाहन भी अपने स्वयं के घरो के निचे नहीं रख पा रहे है, चौपाटी को चलाने वाले लोग वाहनों को इधर उधर खिसका देते हैं, समझाने पर वाहनों में तोड़ फोड़ करने लगते हैं. चौपाटी लगाने वालो के पास किसी तरह का कोई भी बिजली का कनेक्शन नहीं होता है, ये सारे बिजली के कनेक्शन अवैध तरीके से लिए जाते है, एवं इनको शरण देने वाले लोग बिजली के अवैध कनेक्शन उपलब्ध करवाते है, चोपाटी वालो को शरण देने वाले एवं इनको बिजली का कनेक्शन देने वालो के पास बिजली देने का सब-मीटर भी नहीं होता है.

खरगोन के भीकनगांव में दो दुकानों पर चोरों ने की चोरी, पुलिस जुटी जांच में

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ खरगोन, भीकनगांव नगर के मंडी रॉड अग्रवाल धर्मशाला के सामने खाद की दुकान पर से गल्ले की पेटी ही ले उड़े बदमाश दुकान के व्यापारी पारस कासलीवाल बताया की उसमे 5 से 7 हजार रुपये के साथ साथ काम के कागजात थे दूसरा मामला शंकर मंदिर के सामने मीनाक्षी बर्तन भण्डार पर आये व्यापारी की बेग में से पैसे गायब हो गए इस मामले को लेकर पुलिस विभाग के जे, एस, बरले ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर को ढूंढने क़ा प्रयास करा जांच कर जगह का मुआयना करा.

फरहतजहां की निगरानी में आवंटित करकटी रेत खदान का भौतिक सत्यापन फर्जी...

रेत खनन की लीगल परमिशन अधूरी, चैन सिंह शेखावत की कंपनी की चोरी...

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, संगठित अपराध की विशेषताओं की पहचान में साफ हुआ है कि संगठित अपराध में आत्म-स्थायित्व और निरंतर साजिश, लाभ और मिली शक्ति का प्रयोग निजी लक्ष्य की प्राप्ति, भय और भ्रष्टाचार का उपयोग और कानून से आभासी प्रतिरक्षा की विशेषताएं हैं ठीक ऐसा उमरिया जिले में हो रहा है जहां शासकीय की नौकरी पेशा अधिकारी चंद चांदी के सिक्कों के खातिर मानों सरकारी कुर्सी बेच कर रख दी, ऐसा इसलिए क्योंकि आपके शहर से करोड़ों रुपए की शासकीय खनिज संपदा का अवैध दोहन बाहरी वैध रेत ठेका कंपनी अवैध खनन करती है तो जिम्मेदार कौन और क्यों... बड़ा सवाल पढ़ें पूरी खबर.

दरअसल संभागीय मुख्यालय के उमरिया जिले में महीनों पूर्व रेत खदानों की नीलामी मे हुई थी लेकिन अत्यधिक टेंडर राशि एबब होने के चलते ठेकेदार और जिले के खनिज विभाग द्वारा खेला कर दिया गया, और सिरे से टेंडर किया गया, इस बार मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में बड़े स्तर पर खनिज राजस्व को घाटा होने की खबर है रेत ठेकेदार सस्ते दर पर रेत खदान ले लिए। इतना ही नहीं इसके साथ साथ ही अवैध रेत खनन का काला कारोबार शुरू कर दिया।

जबकि अभी शत-प्रतिशत खदानों की लीगल परमिशन नहीं मिली जिसमें सीटीओ प्रमुख है। जिले में रेत आपूर्ति को लेकर कुछ खदानों की ही टीपी (ट्रांजिट पास) जारी हुई है जिसमें रेत खनन के लीज होल्डर बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड (चैन सिंह शेखावत) को प्रदान की गई हैं हम आपको बता दें कि

जिले में शुरूआती दिनों से ही विवादित आवंटित रेत खदान करकटी जोकि जनपद पंचायत पाली क्षेत्र में आती है। जो कि वर्तमान में हो रही मोहबला रेत खदान से लगभग 74 किलोमीटर दूर है करकटी रेत खदान की टीपी पर रेत खनन हो रहा है और हम आपको बता दें कि सिटी चीफ रिपोर्टर की ग्राउंड जीरो से रिपोर्टिंग पर पता चलता है कि ग्राम करकटी में आवंटित रेत खदान में ना तो कोई बोर्ड फ्लैग इत्यादि लगा हुआ है लगाएंगे भी कैसे हमारी और कैमरे की नज़र जितनी भी दूर तक गई करकटी रेत खदान फर्जी दिखाई देती ही नज़र आ रही थी उमरिया जिले की माइनिंग अफसर फरहत जहां की पदस्थापना उमरिया जिले में पहले शहडोल और उससे पहले अनूपपुर में थी, एक दशक से अधिक समय तक संभागीय मुख्यालय पर रहने के बाद यद्यपि कोई रेत ठेका कंपनी फर्जी रेत खनन कर असली टीपी ट्रांजिट पास पर जिले की अन्य नदियों से खनन कर रही है तो कहीं ना कहीं जिले की अकूत संपत्ति का अंधाधुंध दोहन ही है सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश शासन के खनिज राजस्व की चोरी और इस चोरी पर अंकुश लगाने की जगह महीनों से दिया जा रहा अभयदान के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए उमरिया कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैध को पहले करनी होगी चूंकि मामला गंभीर है निजी वित्तीय लाभ का कलंक खनिज विभाग पर तो लग ही रहा है लेकिन इन सब के बीच इसके छींटे कलेक्टर तक पहुंचने की खबर है।

हम आपको बता दें कि वैध ठेकेदार यहां आवंटित रेत खदान की ईटीपी काट कर महज कागजी कोरम ही पूरा कर मानपुर जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली रेत खदान सलैया, मोहबला से बंदूक की नोक पर दिनदहाड़े रेत का नियमविरुद्ध अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है यही नहीं रेत ठेका कंपनी की हिमाकत तो देखिए अब कंपनी एनजीटी के निर्देशों का भी खुला उल्लंघन किए जा रही है। जबकि एनजीटी के स्पष्ट निर्देश हैं कि नदियों में मशीनों से उत्खनन नही किया जा सकता है। साथ ही जितना रकवा स्वीकृत है उससे अधिक एरिया से उत्खनन नही हो सकता है लेकिन रेत ठेकेदार और खनिज विभाग की मिलीभगत से खुलेआम रेत का अवैध उत्खनन वैध टीपी के नाम पर जारी है।

किसानों की समस्या का निदान हेतु लघु किसान संघ की स्थापना ज़रूरी - सुरेश चतुर्वेदी

किसान हितों की बात करने वाले तमाम संगठन साध रहे अपना उल्लू

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, मध्यप्रदेश में जिस प्रकार से लघु किसान की छोटी-छोटी समस्याएं आए दिन की अखबार की सुर्खियां बन रही है और बड़ी समस्या का रूप ले रही है इन सब बातों के पीछे यद्यपि किसानों की वास्तविक समस्या की बात करें तो किसानों का विद्युत विभाग की लालफीताशाही से हो रहा शोषण का मामला हो या किसान की राजस्व मामले में हीलाहवाली के चलते परेशान होने का मामला, इन सब के बीच कुल मिलाकर मध्यप्रदेश के अन्नदाता को प्रशासनिक अनदेखी के चलते ही समस्याओं से आए दिन जूझना पड़ रहा है। यह बेहद चिंताजनक है।

इसको लेकर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश चतुर्वेदी ने चिंता जताते हुए किसानो की समस्याओं का समाधान तत्काल हो सके, आला अधिकारियों समेत जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को सुझाव देते हुए बताया है कि सरकार को लघु किसान संघ की स्थापना करनी चाहिए। इससे काफी हद तक किसानों की समस्याओं का अबिलंब निदान हो सकेगा और छोटी छोटी समस्याओं को लेकर संघ आला अधिकारियों एवं राज्य सरकार को किसानों की स्थितियों से अवगत करते हुए किसानों की बढ़ती समस्याओ धरातल पर जायज़ा लेते हुए अन्न दाता को होती समस्या और शिकायत का निवारण करने में कारगर साबित होगा। इसके फलस्वरूप खेत में काम करने वाला किसानों को सड़क पर नहीं उतरना पड़ेगा।

श्री चतुर्वेदी ने बताया है कि तमाम संगठन उनके हितों के लिए बात करता है लेकिन इसके

पीछे किसान के नाम से प्रदर्शन धरना नाकाबंदी जैसे काम करते हुए मात्र अपना मतलब साध रहे हैं अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। इन सबके बीच लघु किसान की वास्तविक समस्या के निदान की ओर इतने बड़े बड़े संगठनों का कोई ध्यान नहीं है कि यद्यपि छोटे-छोटे संगठन स्थानीय स्तर से लेकर प्रांत स्तर तक बनेंगे तब छोटी-छोटी समस्या के बारे में सरकार व शासन का ध्यान और इसका लाभ में दिलाने में महाति भूमिका निभा सकते हैं यह तब होगा जब लघु संघ की स्थापना होगी, और इसका सीधा फायदा किसानों को होगा। मामला चाहे विद्युत विभाग राजस्व विभाग हो या किसी भी विभाग द्वारा किया जा रहा किसानों से अन्याय लघु किसान संघ लड़ने के लिए वह क्षेत्रीय स्तर का संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएगा। सिटी चीफ रिपोर्टर से एक चर्चा में श्री चतुर्वेदी ने यह भी कहा है कि मध्यप्रदेश किसान लघु संघ का गठन यदि कोई आगे जाकर सरकार करती हैं तो निश्चित तौर पर हमेशा की तरह इस कार्य में मेरा पूरा सहयोग और ऊर्जा संगठन को गति देने के लिए रहेगी।

झाबुआ जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री विपिन पाटीदार हुए भोपाल में सम्मानित

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ झाबुआ, कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जल संसाधन विभाग में उत्कृष्ट कार्यो के लिए राजधानी भोपाल के समन्वय भवन में मंगलवार को आयोजित जल संसाधन विभाग के कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंसाना, अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजोरा ने झाबुआ के जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री विपिन पाटीदार को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित एवं पुरस्कृत कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

झाबुआ में लोक अदालत शिविर का हुआ आयोजन

समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत 24 फरवरी 2024 को किया गया

समाधान आपके द्वार योजना

सुलभ व त्वरिक न्याय की ओर बढते कदम

समाधान शिविर दिनांक 24 फरवरी 2024

सर्वसाधारण से यह आवाहन किया जाता है कि ''समाधान आपके द्वार'' योजनांतर्गत उक्त तिथि पर आयोजित शिविर में राजस्व, पुलिस, वन, विद्युत एवं नगरीय निकाय विभाग के शमनीय आपराधिक मामलों, न्यायालयों में प्रचलित राजीनामा योग्य मामलों तथा प्री-लिटिगेशन मामलों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपासी समझौता से निराकरण किया जावेगा, यदि आपका कोई मामला उपरोक्त किसी श्रेणी में आता है और राजीनामे द्वारा प्रकरण का निपटारा चाहते है, तो इस अवसर का लाभ अवश्य उठावें।

विभागवार प्रकरणों की प्रकति जैसे - राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, वन विभाग, विद्युत विभाग, नगरीय विकाय विभाग एवं अन्य प्रकरण से संबंधित प्रकरणों का एक ही तिथि व मंच पर निराकरण किया जायेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय झाबुआ म प्र
दूरभाष क्रमाक- 07392-244414

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ

झाबुआ, मुख्य न्यायाधिपति एवं मुख्य संरक्षक मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के अनुमोदन अनुसार समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत 24 फरवरी 2024 को संपूर्ण मध्यप्रदेश में लोक अदालत / शिविर का आयोजन किया जाना है। समाधान आपके द्वार% योजना मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ग्वालियर खंडपीठ के श्री न्यायमूर्ति रोहित आर्या द्वारा की गई एक पहल है। इस योजना के तहत, विभिन्न विभागों के अधिकारी और न्यायिक अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाते हैं और लोगों की शिकायतों और विवादों का निपटारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित शिविरों के माध्यम से करते हैं। प्राय: देखने में यह आता है कि राजस्व, पुलिस, वन एवं विद्युत से संबंधित विवादों का अधिकांश भाग ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित होता है, जिनमें कई प्रकरण शमनीय / समझौता योग्य होते हैं।

इस योजना के तहत ऐसे प्रकरणों को वैकल्पिक विवाद समाधान (जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) के माध्यम से जैसे मध्यस्थता, लोक अदालत एवं सुलह के द्वारा उनके अंकुरण के स्तर पर ही निराकृत किया जा सके, इससे न केवल सारभूत रूप से न्यायालयों एवं न्यायाधिकरणों में लंबित प्रकरणों में कटौती होगी बल्कि बड़ी संख्या में जनमानस को मुकदमेबाजी की अवांछित कठिनाई से भी बचाया जा सकेगा। प्रारंभिक स्तर पर ही मुकदमों को पक्षकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण तरीके से उक्त प्रगणित पद्धतियों के माध्यम से समाप्त किये जाने के उद्देश्य से %समाधान आपके द्वार योजना की परिकल्पना की गई। %समाधान आपके द्वार% योजना अंतर्गत 24 फरवरी 2024 को प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ श्रीमती विधि सक्सेना के मार्गदर्शन एवं समाधान आपके द्वार योजना के नोडल अधिकारी/द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री सुभाष सुनहरे के निर्देशन में लोक अदालत / शिविर का आयोजन किया जाना है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुये जिला न्यायाधीश श्रीमती विधि सक्सेना ने बताया कि इस योजना को निष्पादित करने के लिये त्रि-स्तरीय दलों का गठन किया गया है जिसमें कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण है। उन्होंने बताया कि समाधान आपके द्वार योजना न्याय को आम जनता तक पहुंचाने का एक क्रांतिकारी प्रयास है।

इस योजना के तहत राजस्व, पुलिस, वन, विद्युत, न्यायिक प्रकरण, नगरीय निकाय एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों का निराकरण ग्रामीण स्तर पर ही किया जायेगा। इसका उद्देश्य यह है कि नागरिकों को न्यायिक सेवाओं के लिए दूरदराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता नहीं होती है, मुकदमेबाजी की लागत और समय कम लगता है, नागरिकों का समय और पैसा बचता है, नागरिकों में कानूनी जागरूकता बढ़ती है। योजना के तहत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न ग्रामों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं,

शिविरों में न्यायाधीश, राजस्व अधिकारी, पुलिस अधिकारी, वन अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहते हैं। नागरिक अपने विवादों के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और निपटारे के लिए आवेदन कर सकते हैं। अधिकारी विवादों का त्वरित और न्यायसंगत निपटारा करने का प्रयास करते हैं। प्रेसवार्ता में समाधान आपके द्वार योजना के नोडल अधिकारी/द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री सुभाष सुनहरे ने बताया कि समाधान आपके द्वार योजना मुख्य न्यायाधिपति एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की एक पहल है जिसका उद्देश्य नागरिकों को उनके घर के द्वार पर ही न्याय प्रदान करना है। इस योजना से संबंधित जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ से संपर्क कर सकते है।

आरोपी ने किया था घर में घुसकर नाबालिक के साथ दुष्कर्म

आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, मामले में फरियादिया अपने पिता, भाई एवं मां के साथ थाना में उपस्थित होकर मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरी बुआ की लडकी के ससुराल गांव का लडके अजय बैगा से उसकी पहचान शादी के दौरान हुई थी। दोनों फोन से एक दूसरे से बात करने लगे थे। कुछ समय पहले मुझे पता चला कि अजय शराब पीता है जिस कारण से मैं उससे बात करना बंद कर दी थी। दिनांक 15/02/2022 को दोपहर करीब 2 बजे मेरे घर से सभी लोग खाना खाकर चने के खेत की रखवाली करने चले गए थे। मैं अकेली थी तभी आरोपी अजय बैगा मेरे घर आया और बोला कि तुम मुझसे बात क्यों नहीं करती हो। तब मैं बोली कि तुम शराब पीते हो मैं तुमसे बात नहीं करूंगी। मेरे विरोध करने पर आरोपी अजय बैगा जबरदस्ती मेरा हाथ पकड कर मुंह दबाते हुए घर के अंदर बिछी खटिया में पटक दिया और जबरदस्ती मेरे साथ दुष्कर्म किया। घर की इज्जत बचाने के लिए मैं उस दिन इस बात को किसी से नहीं बताई। दिनांक 30/03/2022 रात करीब 9 बजे खाना खाकर मेरे माता पिता अपने कमरे में सोने चले गए मैं भी अपने कमरे में सोने जा रही थी तभी आरोपी मेरे कमरे में घुस आया और मेरा हाथ पकड कर खींचने लगा और मेरे साथ गलत काम करने के लिए बोलने लगा।

मैं हल्ला गोहार की तो भाई और मेरे माता पिता आ गए। जब आरोपी अजय वहां से भाग गया। प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख कर प्रकरण में विवेचना कार्यवाही पूर्ण की कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया । साक्ष्य पूर्ण होन के उपरांत अभियोजन की ओर से माननीय न्यायालय समक्ष अंतिम तर्क प्रस्तुत किए गए। प्रकरण की गंभीरता एवं अभियोजन के तर्क से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी को वर्धित दण्ड से दण्डित किया। जिसमें माननीय न्यायालय श्रीमान संदीप कुमार सोनी द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश महोदय, जिला शहडोल ने थाना सोहागपुर के अपराध क्रं. 156/22, विशेष सत्र प्रकरण क्रमांक 126/22, धारा 451, 376, 354, भादवि 3/4 , 7/8 पाक्सो एक्ट, में आरोपी अजय उर्फ बेटू पिता भैयालाल बैगा उम्र 20 वर्ष निवासी चंदनिया थाना पाली जिला उमरिया म0प्र0 को भादवि धारा 3 सहपठित धारा 4 उपधारा में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 7 सहपठित धारा 8 में 5 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड 451 भादवि में 5 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड, धारा 354 भादवि में 5 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया, प्रकरण में अभियोजन की ओर से श्रीमति सुषमा सिंह ठाकुर सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला शहडोल द्वारा पैरवी की गई। अभियोजन के विशेष अनुरोध पर माननीय न्यायालय ने राज्य प्रतिकर योजना के तहत पीडिता को प्रतिकर दिए जाने हेतु आदेशित किया। उक्त घटना की जानकारी संभागीय मीडिया प्रभारी नवीन कुमार वर्मा द्वारा सिटी चीफ रिपोर्टर को दी गई।

विशेषज्ञों का दावा- चीन घातक किनमेन नाव घटना के बाद ले रहा ग्रे जोन रणनीति का सहारा

बीजिंग: फोकस ताइवान ने रविवार को विशेषज्ञों का हवाला देते हुए बताया कि चीन का दावा है कि ताइवान के किनमेन द्वीपसमूह और चीन के ज़ियामेन के बीच का पानी एक प्रतिबंधित क्षेत्र नहीं है, जो ताइपे के खिलाफ दबाव बढ़ाने के लिए बीजिंग द्वारा ग्रे ज़ोन रणनीति अपनाने का एक उदाहरण है। यह विवाद तब पैदा हुआ जब चीन के फुज़ियान प्रांत की एक स्पीडबोट बुधवार को ताइवानी अधिकारियों द्वारा पीछा करने के दौरान किनमेन के तट पर पलट गई, जिसके परिणामस्वरूप दो चीनी लोगों की मौत हो गई। नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी रिसर्च के रिसर्च फेलो शेन मिंग-शिह ने रविवार को CNA को बताया कि चीन और ताइवान के बीच एक बार यह मौन सहमति थी कि किनमेन, मात्सु और अन्य बाहरी द्वीपों के आसपास का पानी प्रतिबंधित है या निषिद्ध है। प्रतिबंधित या निषिद्ध जल क्षेत्र ताइवान द्वारा नियंत्रित समुद्री क्षेत्रों को संदर्भित करता है, जहां ताइवानी कानून के तहत, चीनी जहाजों के प्रवेश करने पर उसे बचाव करने का अधिकार है। शेन ने शनिवार को चीन के ताइवान

मामलों के कार्यालय द्वारा की गई एक घोषणा का हवाला दिया जिसमें कहा गया था, ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर मछुआरे प्राचीन काल से ज़ियामेन-किनमेन के आसपास पारंपरिक मछली पकड़ने के क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, और %निषिद्ध या प्रतिबंधित जल जैसी कोई चीज़ नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यह घोषणा चीन की पिछली घोषणा के बराबर है कि कोई सीधी मध्य रेखा नहीं है और इसका उद्देश्य उसके दावे को दोगुना करना था कि किनमेन और मात्सु के आसपास का पानी उसका आंतरिक क्षेत्रीय जल है। शेन ने कहा कि बीजिंग चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाओं द्वारा ताइवान के जल क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के मुद्दे को भी खारिज करने की कोशिश कर रहा है। फोकस ताइवान की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई भविष्य की ग्रे जोन रणनीति या सैन्य कार्रवाई को वैध बनाने का प्रयास हो सकती है।इस बीच, नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी के फू हिंग कांग कॉलेज के पूर्व डीन यू त्सुंग-ची ने बताया कि ताइवान के आसपास जलडमरूमध्य में प्रतिबंधित या निषिद्ध जल को स्वीकार करने से चीन का इनकार, यथास्थिति के प्रति उसके सम्मान की कमी का सबूत है। उन्होंने सवाल किया कि अगर पानी में प्रतिबंधित या निषिद्ध जैसी कोई चीज़ नहीं थी तो चीनी मछली पकड़ने वाले जहाजों को पहले कैसे जब्त कर लिया गया या भगा दिया गया। यू ने कहा, चीन इस घटना में हेराफेरी कर रहा है। उन्होंने कहा, बीजिंग के पास कई आंतरिक और बाहरी चुनौतियों के कारण ताइवान के प्रति कट्टरपंथी दृष्टिकोण अपनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बीजिंग द्वारा अपने क्षेत्रीय दावे को मजबूत करने के जवाब में यू ने कहा, ताइवान को इस मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना चाहिए। फोकस ताइवान की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने सुझाव दिया कि तटरक्षक अधिकारी किनमेन के पास पानी से दूर ले जाई जा रही स्पीडबोट की तस्वीरें इस बात के सबूत के रूप में जारी करें कि अधिकारियों की कार्रवाई तर्कसंगत और कानून का पालन करने वाली थी।यू ने कहा, सरकार पड़ोसी देशों से भी समर्थन मांग सकती है और समुद्री ग्रे जोन रणनीति का सहारा लेने के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की संयुक्त रूप से निंदा कर सकती है।

बर्मिंघम विश्वविद्यालय ने सिखों को लेकर सोशल मीडिया पर की विवादास्पद पोस्ट

अब गलती के लिए मांगी माफी

लंदन: ब्रिटेन के बर्मिंघम विश्वविद्यालय ने एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को हटाते हुए माफी मांगी है। इस पोस्ट में ऐसा लग रहा था कि सिख विद्यार्थियों को मुसलमान समझने की भूल हुई है।'बर्मिंघम मेल की खबर के अनुसार, विश्वविद्यालय द्वारा किये गये पोस्ट में कहा गया था कि इस माह के प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सिख सोसाइटी द्वारा आयोजित 20वां 'लंगर ऑन कैंपस कार्यक्रम इस्लामिक जागरूकता सप्ताह का हिस्सा था। विश्वविद्यालय के इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक पोस्ट में लंगर की तस्वीरें टैग की गयीं और उसके साथ 'डिस्कवर इस्लाम वीक लिखा गया। सिख प्रेस एसोसिएशन के प्रवक्ता जसवीर सिंह ने कहा, ''यह देखकर न केवल निराशा, बल्कि आश्चर्य भी हुआ है कि जिन लोगों पर बर्मिंघम विश्वविद्यालय की छवि का जिम्मा है, वे विश्वविद्यालय में समुदायों को लेकर अनभिज्ञ हैं। एसोसिएशन ने ही अपने सोशल मीडिया मंचों पर विश्वविद्यालय की इस गलती को प्रमुखता से

उजागर किया। सिंह ने कहा, ''यह स्पष्टत: विश्वविद्यालय कर्मियों को दिये जा रहे प्रशिक्षण एवं शिक्षण का मुद्दा है। सिख दशकों से बर्मिंघम विश्वविद्यालय समुदाय का एक अहम हिस्सा रहे हैं। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय की इस गलती को 'स्तब्धकारी एवं 'अविश्वसनीय बताया। विश्वविद्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा, ''इससे (सोशल मीडिया पोस्ट से) लोगों के मन को जो ठेस पहुंची है, उसके लिए विश्वविद्यालय दिल से माफी मांगता है। उन्होंने कहा, ''हम मानते हैं कि यह पोस्ट त्रुटिपूर्ण था। पोस्ट किये जाने के शीघ्र बाद गलती पकड़ में आयी और उसे तत्काल हटा लिया गया। विश्वविद्यालय अपने समुदाय की विविधता का सम्मान करता है और उसे उनपर गर्व है। वह स्वागतयोग्य एवं समावेशी माहौल प्रदान करने के लिए प्रयासरत रहेगा। हमने सीधे संबंधित व्यक्तियों एवं संगठनों से माफी मांगने एवं उनकी राय जानने के लिए उनसे संपर्क किया है। विश्वविद्यालय परिसर में पहला लंगर 20 साल पहले लगाया था। इस महीने इसका 20वां साल था।

शशि थरूर को मिला फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, कांग्रेस सांसद ने दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली: जाने-माने लेखक और राजनयिक से नेता बने शशि थरूर को मंगलवार को यहां एक समारोह में फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'नाइट ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से नवाजा गया। कई पुस्तकों के लेखक और तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर को फ्रांसीसी सीनेट के स्पीकर जेरार्ड लार्चर ने फ्रांसीसी दूतावास में इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा। फ्रांस सरकार ने पूर्व केंद्रीय मंत्री थरूर के लिए इस पुरस्कार की घोषणा अगस्त 2022 में की थी, लेकिन उन्हें यह पुरस्कार मंगलवार को दिया गया। फ्रांसीसी दूतावास द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''सर्वोच्च फ्रांसीसी नागरिक पुरस्कार, भारत-फ्रांस संबंधों को गहरा करने, अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता के

लिए और फ्रांस के लंबे समय से मित्र के रूप में डॉ. थरूर के अथक प्रयासों के लिए दिया गया है। थरूर ने सम्मान ग्रहण करते हुए कहा कि वह 'शेवेलियर डे ला लेगियन डीहोनूर (नाइट ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर) स्वीकार करके बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''फ्रांस, उसके लोगों, उनकी भाषा और उनकी संस्कृति, विशेष रूप से उनके साहित्य और सिनेमा की प्रशंसा करने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं आपके देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे जाने को लेकर आभारी हूं।

इमरान खान की बहन ने बुशरा बीबी की मेडिकल जांच के लिए कोर्ट में याचिका दायर की

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर खान की पत्नी बुशरा बीबी का मेडिकल परीक्षण कराए जाने की अपील की है। बुशरा बीबी को उनके पति के घर में कैद रखा गया है जबकि इमरान रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया है कि बुशरा बीबी को एक सप्ताह पहले रसायन युक्त भोजन दिया गया था, जिससे उनके गले और पेट में जलन महसूस हो रही है। जेल में बंद इमरान खान की पार्टी ने सोमवार को दावा किया कि 49 वर्षीय बुशरा बीबी अस्वस्थ हैं और वह खाना नहीं खा पा रही हैं।पार्टी ने यह भी कहा कि अधिकारी उन्हें उपचार मुहैया

नहीं करा रहे हैं। खान की बहन उज्मा खान ने अदालत में याचिका दायर कर अनुरोध किया कि शौकत खानम मेमोरियल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ असीम यूसुफ को जेल के डॉक्टर की उपस्थिति में बुशरा बीबी की मेडिकल जांच करने की अनुमति दी जाए। शौकत खानम मेमोरियल अस्पताल इमरान खान द्वारा स्थापित एक धर्मार्थ संगठन द्वारा चलाया जाता है। पार्टी ने अदालत में दायर याचिका की तस्वीरें भी साझा कीं। पिछले हफ्ते इमरान की पार्टी ने बुशरा बीबी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए दावा किया था कि उनकी जान को गंभीर खतरा है। पिछले महीने, तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में जवाबदेही अदालत द्वारा दंपति को 14 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद से बुशरा बीबी जेल में हैं।

अपने 2 मछुआरों की मौत से भड़का चीन फिर ताइवान के नजदीक बढ़ाई गश्त

बीजिंग: गत बुधवार को नाव पलटने से दो चीनी मछुआरों की मौत हो गई थी जिसके बाद चीन ने ताइवान के किनमेन द्वीपसमूह के आसपास गश्त बढ़ा दी है। घटना के दौरान ताइवान ने दो अन्य चीनी नागरिकों को हिरासत में ले लिया था। यह नाव किनमेन द्वीपसमूह से तकरीबन एक नौटिकल मील की दूरी पर स्थित प्रतिबंधित जल क्षेत्र में मछली पकड़ रही थी। ताइवान तटरक्षक बलों द्वारा पीछा किए जाने पर हादसा हुआ और चीन ने मछुआरों की मौत का आरोप ताइवान पर लगा दिया । चीनी तटरक्षक बलों के प्रवक्ता गन यू ने रविवार को कहा कि समुद्री कानून प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए चीनी तट रक्षक बलों की फुजियान डिवीजन नियमित रूप से जियामेन शहर के दक्षिणी तट के आसपास निगरानी करेगी। जियामेन शहर ताइवार के किनमेन द्वीपसमूह से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। इस क्षेत्र में चीन की मछली पकड़ने वाली नावों व रेत निकालने वाले चीनी जहाजों की संख्या बढ़ने के कारण आए दिन तनाव की स्थिति खड़ी हो जाती है। इधर, दो मछुआरों की मौत के मामले में चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने रविवार को बिना जानकारी आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

किसान आंदोलन के बीच केंद्र का बड़ा एक्शन

177 सोशल मीडिया अकाउंट्स ब्लॉक करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली: सरकार ने किसानों के विरोध प्रदर्शन से जुड़े करीब 177 सोशल मीडिया खातों और वेब लिंक को अस्थायी रूप से 'ब्लॉक% करने का आदेश दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आदेश इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के अनुरोध पर आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) अधिनियम की धारा 69ए के तहत 14 और 19 फरवरी को जारी किए। सूत्रों ने कहा, ''कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गृह मंत्रालय के अनुरोध पर 177 सोशल मीडिया खातों और वेब लिंक को अस्थायी

रूप से 'ब्लॉक करने के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, स्नैपचैट और कुछ अन्य सोशल मीडिया मंचों के खातों और लिंक को 'ब्लॉक करने का आदेश दिया गया है। सूत्र ने बताया कि किसान आंदोलन खत्म होने के बाद इन खातों को बहाल किया जा सकता है।

नड्डा का दो दिवसीय गुजरात दौरा आज से, सांगठनिक कार्यक्रमों में लेंगे भाग

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा बुधवार से मुंबई का दो दिवसीय दौरा करेंगे, जहां वह कई सार्वजनिक एवं सांगठनिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि इस प्रवास के दौरान वे कार्यकर्ता सम्मेलन और क्लस्टर बैठक के साथ-साथ लाभार्थी सम्मेलन और कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह छत्रपति शिवाजी महाराज शिल्प का पूजन व उद्घाटन भी करेंगे। नड्डा बुधवार दोपहर छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचेंगे जहां वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके पश्चात वह दादर स्थित वसंत स्मृति पहुंचेंगे जहां वह मुंबई

चुनाव संचालन समिति के साथ टिफिन बैठक करेंगे। इसी जगह पर वह क्लस्टर स्तरीय चुनाव संचालन समिति की बैठक लेंगे। देर शाम वह बीएमसी मैदान में आयोजित पार्टी के विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे और फिर एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक करेंगे। महाराष्ट्र प्रवास के दूसरे और अंतिम दिन वह गिरगांव चौपाटी में छत्रपति शिवाजी महाराज शिल्प का पूजन व उद्घाटन करेंगे। बयान के मुताबिक इसके बाद वह नवी मुंबई के पेठपाड़ा मेट्रो स्टेशन के पास 'मुंबई अश्वमेध गायत्री महा यज्ञ में भाग लेंगे। दोपहर में वह एक 'लाभार्थी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

कॉटन कैंडी से कैंसर का खतरा, तमिलनाडु सरकार ने लगाया बैन

नेशनल डेस्क: तमिलनाडु सरकार ने राज्य में कॉटन कैंडी की ब्रिकी और उत्पादन पर रोक लगा दी है। इस बारे में राज्य के स्व ास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी है। उन्होंने बताया सरकार ने फूड एनालिसिस में कॉटन कैंडी में कैंसर पैदा करने वाले केमिकल की पुष्टि के बाद बिक्री और उत्पादन पर बैन लगा दिया है। रोडामाइन-बी केमिकल की हुई पुष्टि% तमिलनाडु सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने कॉटन कैंडी पर बैन लगाने की जानकारी देते हुए कहा, कॉटन कैंडी के नमूने खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा टेस्टिंग के लिए भेजे गए थे, जिसमें कैंसर पैदा करने वाले रोडामाइन-बी केमिकल मिलने की पुष्टि हुई है। इसके बाद राज्य में कॉटन कैंडी की ब्रिकी और उत्पादन पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने अपने बयान में कहा, खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006

के मुताबिक शादी समारोहों, अन्या सार्वजनिक कार्यक्रमों में रोडामाइन-बी मिले खाद्य पदार्थ तैयार करना, पैकेजिंग करना, आयात करना, बेचना या परोसना एक दंडनीय अपराध है। साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को मामले की समीक्षा करने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। पुडुचेरी ने भी लगाया था प्रतिबंध तमिलनाडु से पहले उसके पड़ोसी केंद्र शासित राज्य पुडुचेरी ने कॉटन कैंडी पर बैन लगा दिया था। पुडुचेरी ने कॉटन कैंडी में रोडामाइन-बी की मौजूदगी पाए जाने के बाद 9 फरवरी को राज्य में इसकी ब्रिकी पर प्रतिबंध लगा दिया था। साथ ही उपराज्यपाल तमिलिसाई साउंडराजन ने अधिकारियों को राज्य में कॉटन कैंडी बेचने वाले दुकानदारों की जांच करने और उनके स्टॉक को जब्त करने का निर्देश दिया है। कॉटन कैंडी से ये है नुकसान खाद्य सुरक्षा अधिकारी पी. सतीश कुमार ने कहा कि रोडोमाइन-बी नियमित रूप से या बड़ी मात्रा में सेवन करने से एलर्जी, न्यूरोटॉक्सिसिटी, अंग विकास और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। कॉटन कैंडी में इस्तेमाल हो रहा है सिंथेटिक रंग शेफ और खाद्य विशेषज्ञ राकेश रघुनाथ बताते हैं कि शुरू में कैंडी निर्माताओं ने पौधों के रंगों जैसे क्लोरोफिल (हरा), कैरोटीनॉयड (पीला, नारंगी या लाल) और एंथोसायनिन (नीला) का प्रयोग करते थे लेकिन अब इसे ज्यादा आकर्षक और लंबे समय तक रखने के लिए इसमें सिंथेटिक खाद्य रंगों का प्रयोग होने लगा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569